भारतीय रेल

अक्टूबर 2025 | मूल्य ₹20

अमृत भारत एक्सप्रेस

आधुनिक, तेज और आरामदायक यात्रा





30 ट्रेन सेवाएँ संचालित

AAL® Autometers Alliance Ltd

POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

MAKE IN INDIA COMPANY



IRIS® Certification

ENERGY & EFFICIENCY
SAFETY & RELIABILITY

POWER ELECTRONICS & PROPULSION SYSTEM | DATA ACQUISITION AND CONTROL DEVICE | TRACTION SWITCHGEAR AND PANELS | DISPLAY AND PASSENGER INFORMATION SYSTEM | UNINTERRUPTIBLE POWER SUPPLIES

ISO 9001:2015
14001:2015
45001:2018

Pegasus ◆ UPS®

C-60-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India, mktre@autometers.com, www.autometers.com

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 66 | अंक: 04 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | अक्टूबर-2025 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

सतीश कुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

उषा वेणुगोपाल
सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड

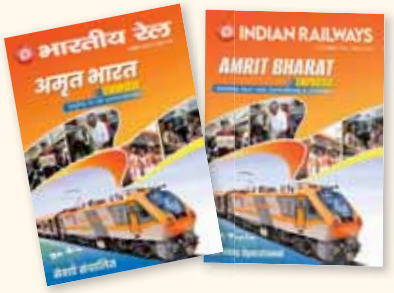
अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

दिलीप कुमार
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

योगेश अवस्थी
संपादक

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
संजीव गुप्ता
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com



अमृत भारत एक्सप्रेस
आवरण

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषतः स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

संपादकीय

रेल विस्तार की नई दिशा : देश एवं पड़ोसी देशों तक मजबूत कदम

भारतीय रेल न केवल देश के अंदर रेल संपर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, बल्कि अपने पड़ोसी देशों से भी जुड़ने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। देश के भीतर कश्मीर, मिजोरम और अन्य दुर्गम क्षेत्रों तक रेल पहुँचाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसी क्रम में भूटान के साथ दो नई रेल परियोजनाओं की घोषणा हुई है, वहीं मिजोरम से म्यांमार तक रेल संपर्क स्थापित करने पर भी कार्य जारी है।

हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट (177 कि.मी.) और बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया (104) रेल खंड की दोहरीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ₹5,361 करोड़ की लागत वाली ये योजनाएँ बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के विकास में अहम भूमिका निभाएँगी।

भारत-भूटान के बीच कोकराझार–गालेफू और बनरहाट–सामत्से परियोजनाओं पर समझौता है। लगभग 90 कि.मी. लंबी इन परियोजनाओं पर करीब ₹4,033 करोड़ का निवेश अनुमानित है। इन रेल संपर्कों से दोनों देशों के बीच आवागमन, पर्यटन और व्यापार को गति मिलेगी। साथ ही, इनका सामरिक दृष्टि से भी बड़ा महत्त्व है।

देश की महत्त्वाकांक्षी मुंबई–अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना पर भी तेजी से काम चल रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी जापान यात्रा के दौरान वहाँ के प्रधानमंत्री के साथ इस परियोजना की प्रगति और महत्त्व पर चर्चा की। भारत ने जापानी शिंकानसेन तकनीक को अपनाने और 2030 के दशक की शुरुआत में ई10 शृंखला ट्रेनों को चलाने के जापानी प्रस्ताव की सराहना की। इसके तहत जापानी सिगनलिंग प्रणाली की स्थापना और परीक्षण के लिए सामान्य निरीक्षण ट्रेन (जीआईटी) तथा ई5 शृंखला शिंकानसेन रोलिंग स्टॉक को शामिल करने पर सहमति बनी है।

यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल लगातार नई सेवाएँ शुरू कर रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री ने अलग-अलग कार्यक्रमों में 3 वंदे भारत एक्सप्रेस, 5 अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों और 6 अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। खासतौर पर अमृत भारत एक्सप्रेस सामान्य वर्ग के यात्रियों को आधुनिक और सुलभ यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह भी घोषणा की है कि रेलवे में चाय अब कुल्हड़ में परोसी जाएगी। इस पहल से पर्यावरण को लाभ होगा तथा मिट्टी के बर्तनों से जुड़े कारीगरों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अतिरिक्त, हजारों रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय कलाकारों और उद्यमियों को अपने उत्पाद बेचने के लिए 'एक स्टेशन एक उत्पाद' के स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं।

आपको यह अंक कैसा लगा, हमें अवश्य बताइए।



विषय सूची

6 **15वाँ भारत-जापान शिखर सम्मेलन दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बुलेट ट्रेन में एक साथ की यात्रा,**
पारस्परिक सबंधों को दी मजबूती

7 **प्रधानमंत्री ने बिहार को**
दी बड़ी सौगात

8 **प्रधानमंत्री ने दिल्ली और चंडीगढ़ को राजस्थान से जोड़ने वाली**
तीन नई रेल सेवाओं का किया शुभारंभ

10 **प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर**
ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

11 **रेल मंत्री ने की सूरत में निर्माणाधीन**
बुलेट ट्रेन स्टेशन की समीक्षा

12 **मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना**
4.8 कि.मी. टनल ब्रेकथ्रू के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि

15 **रेल मंत्री और जापान के मंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल**
परियोजना के सूरत और मुंबई स्थलों का किया दौरा

16 **महाराष्ट्र में ट्रैक संबंधी कार्यों के लिए**
समझौते पर किए हस्ताक्षर

17 **भारत-भूटान की दो रेल परियोजनाओं पर समझौता**



19 **मालवा क्षेत्र जुड़ेगा चंडीगढ़ रेल नेटवर्क से**
भारतीय रेल ने ₹443 करोड़ की राजपुरा-मोहाली 18 कि.मी. रेल लाइन को दी मंजूरी

21 **बिहार को मिलीं और 7 नई ट्रेनें**
रेल मंत्री ने 3 अमृत भारत एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

26 **281 कि.मी. रेल लाइनों के दोहरीकरण**
को कैबिनेट ने दी हरी झंडी

28 **स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025**

32 **भारतीय रेल 'विशेष अभियान 5.0' के सफल कार्यान्वयन के लिए तैयार**
स्वच्छता ही मिशन के तहत लंबित मामलों के निपटान के लिए संकल्पबद्ध

37 **रेल राज्य मंत्री ने लुधियाना में**
रेलवे स्वास्थ्य केंद्र का किया उद्घाटन

39 **बिहार में नवादा-पावापुरी 25 कि.मी.**
नई रेल लाइन को मिली मंजूरी

42 **दिल्ली-कोलकाता पहली**
कंटेनर ट्रेन सेवा शुरू

43 **भारतीय रेल की समयबद्ध कार्गो सेवाओं**
ने माल परिवहन को दी रफ्तार

44 **कश्मीर के किसानों के लिए खुशखबरी**
ट्रेनों से कश्मीरी सेब की पहली खेप पहुँची दिल्ली

45 **क्षेत्रीय रेल एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार**

52 **खेल समाचार**

56 **अमृत भारत स्टेशन**

59 **नए अवतार में दिखेगा**
दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन *गुलशन राय खत्री*

61 **कोलकाता मेट्रो**
शहरी जीवन की धड़कन *स्नेहा शॉ*

64 **अनोखे रेल ब्रिजों की रोचक कहानी**
विमलेश चंद्र

68 **फ्रांसीसी संस्कृति का साक्षी**
पुदुच्चेरि *डॉ. विभा खरे*



15वाँ भारत-जापान शिखर सम्मेलन

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बुलेट ट्रेन में एक साथ की यात्रा, पारस्परिक सबंधों को दी मजबूती

जापान के प्रधानमंत्री इशिबा शिगेरु के निमंत्रण पर, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15वें भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दिनांक 29–30 अगस्त, 2025 को जापान की आधिकारिक दौरे पर रहे। दोनों प्रधानमंत्रियों ने पिछले दशक में भारत–जापान साझेदारी द्वारा की गई महत्त्वपूर्ण प्रगति की सराहना की और आने वाले दशकों में पारस्परिक संरक्षा और समृद्धि के लिए रणनीतिक और दूरंदेशी साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर रचनात्मक चर्चा की। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने पारस्परिक सहोयग को दी नई दिशा।

प्रधानमंत्रियों ने भारत–जापान के बीच एक प्रमुख परियोजना के रूप में मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने जल्द से जल्द इसका परिचालन शुरू करने की दिशा में काम करने और भारत में नवीनतम जापानी शिकानसेन तकनीक की शुरुआत में सहयोग करने पर सहमति जताई। भारतीय पक्ष 2030 के दशक की शुरुआत में जापानी सिगनलिंग प्रणाली पर चलने वाली शिकानसेन की ई10 शृंखला शुरू करने के जापान के प्रस्ताव की सराहना की। इस उद्देश्य से, जापानी प्रणाली सहित सिगनलिंग की शीघ्र स्थापना के लिए आवश्यक कार्य तुरंत शुरू करने, सामान्य निरीक्षण ट्रेन (जीआईटी) और ई5 शृंखला शिंकानसेन रोलिंग स्टॉक के एक सेट की शुरुआत करने पर सहमति व्यक्त की गई।





प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री इशिबा शिगेरू ने दिनांक 30 अगस्त, 2025 को हाई-स्पीड जापानी बुलेट ट्रेन शिकानसेन (हयाबुसा 17) से टोक्यो से सेंदाई की यात्रा की

प्रधानमंत्री ने बिहार को दी बड़ी सौगात

जोगबनी–दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत ट्रेनों और नई रेल परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास



बिहार के पूर्णिया से झंडी दिखाकर नई रेल सेवाओं का शुभारंभ करवाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। मंच पर हैं बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा अन्य अतिथिगण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 15 सितंबर, 2025 को बिहार के पूर्णिया जिले में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में कई महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विक्रमशिला–कटरिया के बीच ₹2,170 करोड़ से अधिक की लागत वाली नई रेल लाइन की आधारशिला रखी। यह लाइन गंगा नदी पर सीधा रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी और क्षेत्र के लोगों की कनेक्टिविटी को नई गति देगी। उन्होंने अररिया–गलगलिया (ठाकुरगंज) के बीच ₹4,410 करोड़ की लागत से बनी नई रेल लाइन का उद्घाटन भी किया। इस खंड पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर उन्होंने अररिया और किशनगंज जिलों के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित किया, जिससे पूर्वोत्तर बिहार की पहुँच और मजबूत होगी।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जोगबनी–दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जिससे अररिया, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली और पटना जिलों के यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक रेल यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही सहरसा–छेहरटा (अमृतसर) और जोगबनी–इरोड के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की भी शुरुआत की गई। इन ट्रेनों में आधुनिक आंतरिक सज्जा, बेहतर सुविधाएँ और तेज गति उपलब्ध कराई गई हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जुड़ाव को और मजबूत करेंगी।



" सरकार बिहार और पूरे क्षेत्र को आधुनिक, हाईटेक रेल सेवाओं से जोड़ रही है। हाल ही में बक्सर–भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के मोकामा–मुंगेर खंड को मंजूरी दी गई है, जिससे मुंगेर, जमालपुर और भागलपुर जैसे औद्योगिक केंद्रों को सीधा लाभ होगा। भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट रेल लाइन के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी गई है। आज 'मेड इन बिहार' रेल इंजन अफ्रीका तक निर्यात किए जा रहे हैं, जो बिहार की प्रगति और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने दिल्ली और चंडीगढ़ को राजस्थान से जोड़ने वाली तीन नई रेल सेवाओं का किया शुभारंभ

रेल मंत्री की घोषणा : मिट्टी से बने कुल्हड़ का रेलवे में किया जाएगा उपयोग



राजस्थान के बांसवाड़ा में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित थे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 25 सितंबर, 2025 को राजस्थान के बांसवाड़ा में आयोजित समारोह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यात्रियों की सुविधा हेतु तीन नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रेल सेवाएँ हैं–

- **जोधपुर–दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस,**
- **बीकानेर–दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस**
- **उदयपुर सिटी–चंडीगढ़–उदयपुर सिटी**

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ये इन नई रेल सेवाएँ राजस्थान के निवासियों को देश के नए क्षेत्रों से जोड़ेंगी और उनके सफर को और अधिक आसान व सुविधाजनक बनाएँगी।

रेल मंत्री ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया, बच्चों से बातचीत की और उनसे नई तकनीक वाली ट्रेन में यात्रा करने के अनुभवों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लोको पायलट कैब के अत्याधुनिक फीचर्स की सराहना करते हुए भारतीय इंजीनियरों की दक्षता की प्रशंसा की।

अपने संबोधन में रेल मंत्री ने बताया कि हाल ही में जोधपुर से पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और गांधीधाम के लिए प्रतिदिन चलने वाली रेल सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो यहाँ के निवासियों की वर्षों पुरानी



जोधपुर में आयोजित समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद पी.पी. चौधरी, राजेन्द्र गहलोत एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति

माँग थी। इन सेवाओं से व्यापार एवं शिक्षा दोनों क्षेत्रों में यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि पाली में 100 प्रतिशत मिट्टी से बने कुल्हड़ का रेलवे में उपयोग किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय कुम्हारों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इसके साथ ही रेल मंत्री ने पाली स्टेशन का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं जोधपुर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि जोधपुर स्टेशन को स्थानीय विरासत के अनुरूप अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है और कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है।

जोधपुर में आयोजित मुख्य समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद-पाली पी.पी. चौधरी, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।



रेल मंत्री ने किया जयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 11 सितंबर, 2025 को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुँचे। उन्होंने स्पेशल ट्रेन से रेवाड़ी-खातीपुरा रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए उन्होंने खातीपुरा स्टेशन पर बन रहे ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन किया।

उन्होंने वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों की अनुरक्षण के लिए कोच केयर कंपलेक्स जयपुर में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार हेतु नवनिर्मित शेड का भी उद्घाटन किया तथा शेड में बने 4 टियर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के अंतर्गत कोच में किए गए टॉयलेट मॉडिफिकेशन और ब्रेक वान में किए गए मॉडिफिकेशन का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने इसके पश्चात् 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे जयपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जयपुर के उपनगरीय स्टेशन गांधीनगर जयपुर पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों से रेल मंत्री ने कहा, जिस तरह जयपुर की अपनी एक स्थापत्य कला और आर्किटेक्चर है उस हेरिटेज को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। गांधीनगर जयपुर के कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 27 सितंबर, 2025 को ओडिशा के झारसुगुड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया, जिनसे कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। इनमें संबलपुर-सरला में रेल फ्लाईओवर का शिलान्यास, कोरापुट-बैगुडा लाइन के दोहरीकरण और मनाबार-कोरापुट-गोरपुर लाइन का राष्ट्र को समर्पण शामिल है। इन परियोजनाओं से ओडिशा और पड़ोसी राज्यों में माल और यात्री आवाजाही में उल्लेखनीय सुधार होगा और स्थानीय उद्योगों और व्यापार को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री ब्रह्मपुर और उधना (सूरत) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो राज्यों के बीच किफायती और आरामदायक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, पर्यटन को बढ़ावा देगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और प्रमुख आर्थिक जिलों को जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति का भी आभार व्यक्त किया, जो गुजरात के सूरत से वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। देश भर के कई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री इस के कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।



ओडिशा में आयोजित एक कार्यक्रम में ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी



उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे बच्चों से बातचीत कर सेल्फी लेते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषताएँ

- बेहतर डिजाइन के साथ आधुनिक एर्गोनॉमिक सीटिंग
- निर्बाध आवागमन के लिए पूरी तरह से कनेक्टेड कोच
- बेहतर संरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने वाला ट्विन-इंजन कॉन्फिगरेशन

जिस तरह वंदे भारत एक्सप्रेस ने मध्यम वर्ग के लिए यात्रा की नई परिभाषा गढ़ी है, उसी तरह अमृत भारत एक्सप्रेस भी किफायती किराए पर ऐसी ही सुविधाएँ प्रदान करेगी। ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस का किराया ₹495 (सामान्य श्रेणी) और ₹795 (गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी) प्रति यात्रा होगा। यह ट्रेन 5 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा) के 22 जिलों में 1,700 कि.मी. से अधिक की दूरी तय करेगी।

इस नई कनेक्टिविटी से युवाओं सहित उद्यमियों एवं व्यवसायियों को कपड़ा, हीरा व संबंधित क्षेत्रों में और अधिक अवसर मिलेंगे। इस ट्रेन से मां तारा तारिणी शक्तिपीठ जाने वाले तीर्थयात्रियों को भी लाभ होगा।

गुजरात में स्टेशन पुनर्विकास कार्य

गुजरात के स्टेशनों का विकास अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए मास्टर डेवलपमेंट प्लान के तहत किया जा रहा है। भारतीय रेल उधना, सूरत, बिलिमोरा, सचिन आदि रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास कर रहा है। रेल मंत्री ने 27 सितंबर उधना स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर डिजाइन किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म और पिट लाइनों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।



"उधना रेलवे स्टेशन का नवनिर्माण हो रहा है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर हो रहा है। सूरत एक बहुत ही फास्ट ग्रोइंग शहर है। यहाँ इकोनॉमिक एक्टिविटी के कारण देश भर से काम करने के लिए लोग आते हैं। यहाँ से ट्रेन की डिमांड बहुत होती है:"

अश्विनी वैष्णव
रेल मंत्री

रेल मंत्री ने की सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन की समीक्षा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निर्माण कार्य की समीक्षा के लिए सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का भी दौरा किया। सूरत-बिलिमोरा के बीच काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और फिनिशिंग व यूटिलिटी वर्क अभी चल रहा है। निरीक्षण के दौरान, रेल मंत्री ने बताया कि इस परियोजना में आधुनिक और नवीन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पटरियों पर काम उल्लेखनीय गति से चल रहा है।

सूरत स्टेशन पर पहला टर्नआउट सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। टर्नआउट रेलवे ट्रैक का महत्त्वपूर्ण जंक्शन होता है। यह सुविधा हाई-स्पीड ट्रेनों के संचालन में सुगमता लाएगी। उन्होंने बताया कि पटरियों में रोलर बेयरिंग भी लगे हैं, जिससे बुलेट ट्रेन अधिक सुरक्षित और सुगमता से तेज गति से चल सकेगी। इसके अतिरिक्त, पटरियों पर स्लीपर कंक्रीट की बजाय मिश्रित सामग्री से बनाए गए हैं। इससे उच्च स्थायित्व, कम रखरखाव और तेज गति पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने एवं वातावरण में शोर को कम करने के लिए डैम्पर्स के रूप में एक कंपन अवशोषण तंत्र शुरू किया गया है। ये डैम्पर्स शोर और झटके को अवशोषित करेंगे।

इस परियोजना से हम सूरत से मुंबई एक घंटे में पहुँच सकेंगे। स्टेशन पुनर्विकास और ट्रैक बिछाने का काम लगातार जारी है। हाई-स्पीड रेल परियोजना कनेक्टिविटी में बदलाव लाएगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी। अहमदाबाद और मुंबई का पूरा खंड एक आर्थिक गलियारा बन जाएगा। यह परियोजना रेलवे प्रौद्योगिकी और यात्री अनुभव में भी नए मानक स्थापित करेगी।



सूरत हाई-स्पीड रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य में जुड़े कामदारों का उत्साहवर्धन करते रेल मंत्री

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना



4.8 कि.मी. टनल ब्रेकथ्रू के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के अंतर्गत 4.8 कि.मी. टनल का काम पूरा हुआ। इस मौके पर उपस्थित इंजीनियरों और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (HSR) परियोजना में एक ऐतिहासिक इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की है।

दिनांक 20 सितंबर, 2025 को 4.8 कि.मी. लंबे टनल सेक्शन का बड़ा ब्रेकथ्रू हासिल किया गया। खुदाई का काम घनसौली और शिलफाटा दोनों दिशाओं से एक साथ किया गया और टीम ने पानी के नीचे के भूभाग को पार किया। आज दोनों टीमें सफलतापूर्वक जुड़ गईं– यह एक शानदार इंजीनियरिंग करिश्मा है।

अर्थव्यवस्था पर गुणात्मक प्रभाव

मुंबई से अहमदाबाद तक यात्रा का समय घटकर सिर्फ 2 घंटे 7 मिनट रह जाएगा। इससे बड़े व्यावसायिक केंद्र एक-दूसरे से जुड़ जाएंगे।

जापान में जब टोक्यो, नागोया और ओसाका को बुलेट ट्रेन ने जोड़ा था, तो पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर उसका गुणात्मक असर हुआ था।

इसी तरह, यह परियोजना अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, सूरत, वापी और मुंबई को एक आर्थिक कॉरिडोर में जोड़ देगा, जिससे एकीकृत बाजार बनेंगे और औद्योगिक विकास तेज होगा।

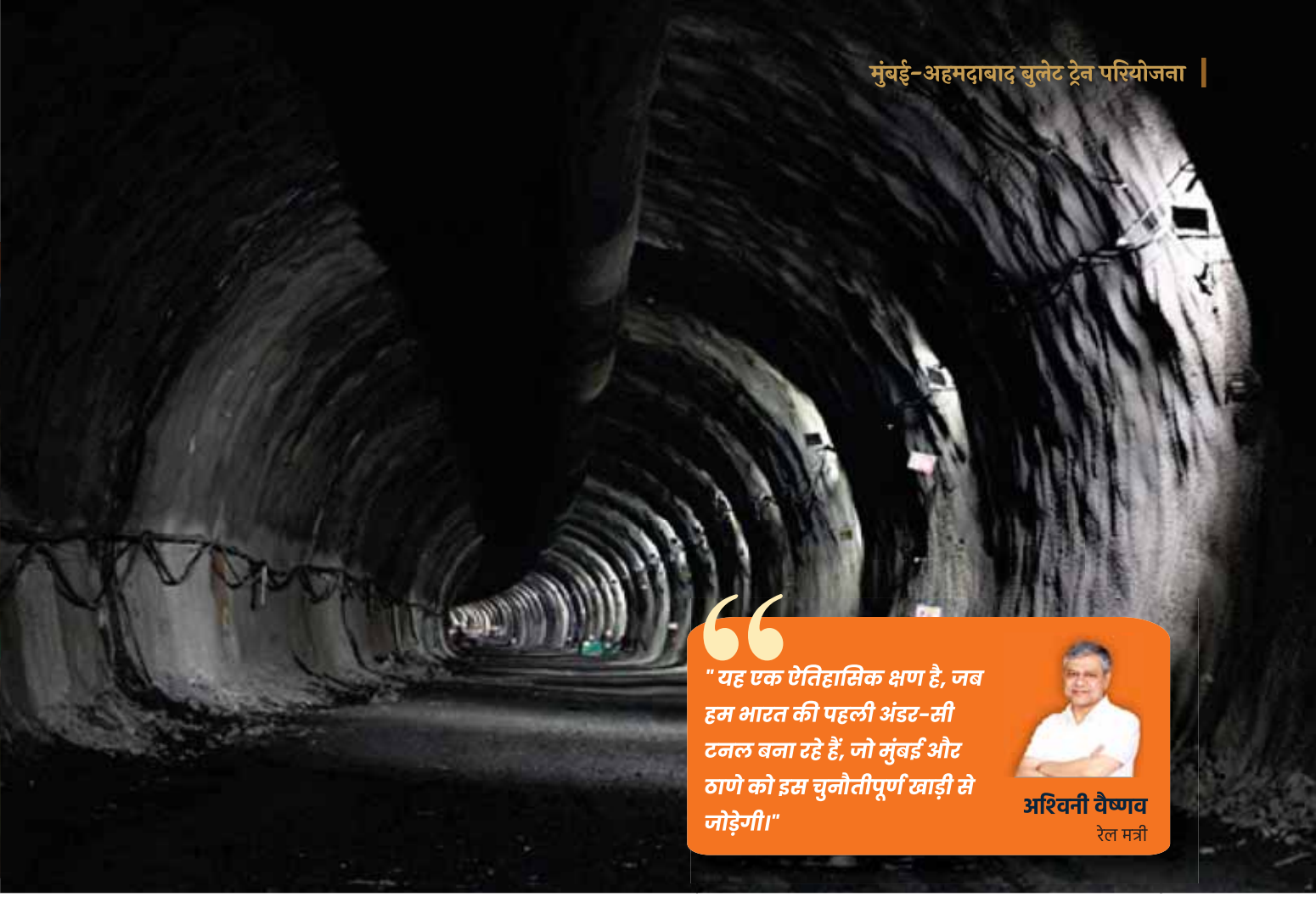
रेल मंत्री ने कहा कि यह परियोजना मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। यात्रा आरामदायक होगी और किराया मध्यम वर्ग के हिसाब से रखा जाएगा।

परियोजना की प्रगति और नवाचार

रेल मंत्री ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की पिछली राज्य सरकार के कारण हुए विलंब को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

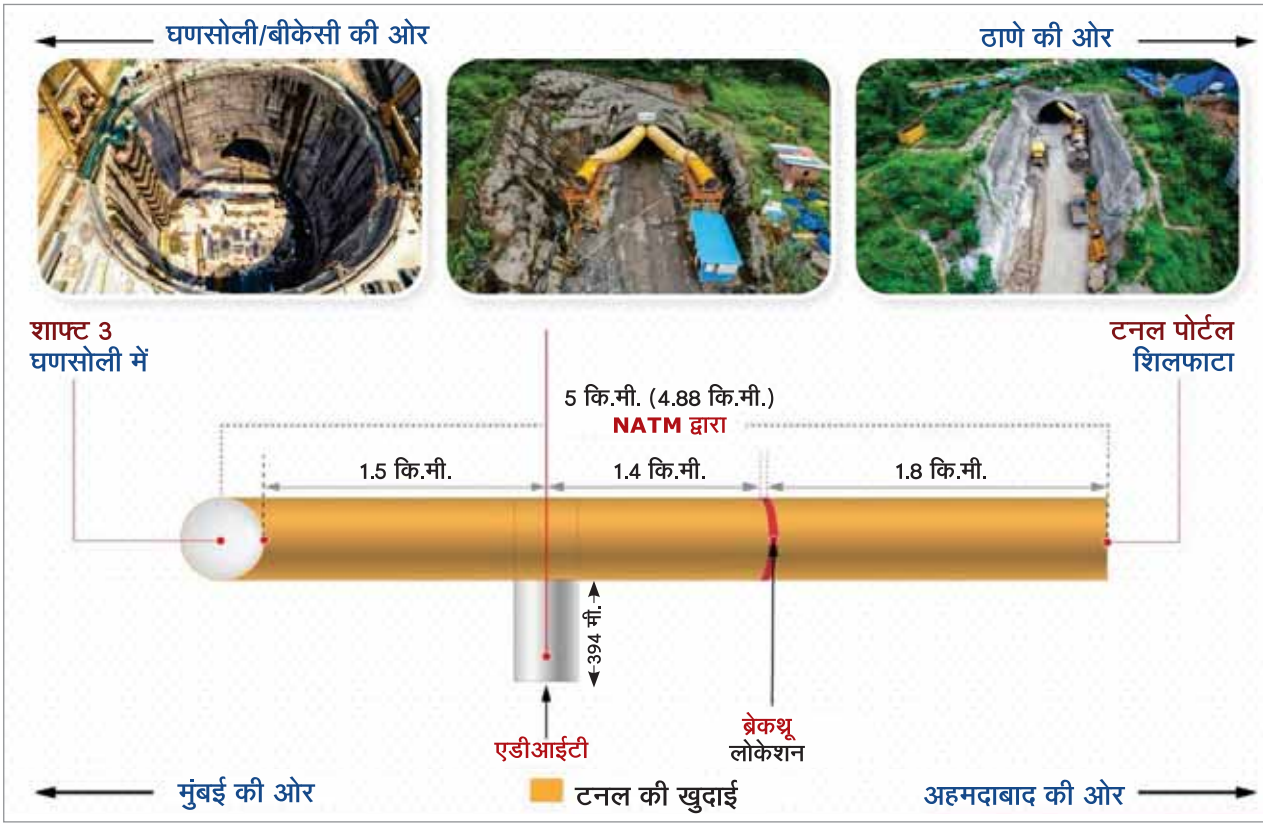
तकनीकी नवाचार

यह परियोजना अत्याधुनिक इंजीनियरिंग नवाचारों को प्रदर्शित करती है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। दो बुलेट ट्रेनों को समायोजित करने के लिए एकल सुरंग तकनीक का उपयोग और वायाडक्ट निर्माण में 40-मीटर गर्डरों की तैनाती



> *"यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब हम भारत की पहली अंडर-सी टनल बना रहे हैं, जो मुंबई और ठाणे को इस चुनौतीपूर्ण खाड़ी से जोड़ेगी।"*

अश्विनी वैष्णव
रेल मंत्री





मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना पर हुई समीक्षा बैठक में दोनों ओर से परियोजना की त्वरित प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की गई

महत्त्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियाँ हैं। जापानी विशेषज्ञों ने इस नवाचार की तारीफ की है। भारत ने इस परियोजना से महत्त्वपूर्ण तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया है और लगातार जापानी विशेषज्ञों के साथ काम कर रहा है।

नवीनतम ट्रेन तकनीक और संचालन योजना

दिनांक 19 सितंबर, 2025 को रेल मंत्री ने जापान के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। दोनों पक्ष प्रगति से संतुष्ट रहे। पहला सेक्शन 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है।

संचालन ढाँचा

- शुरुआती आवृत्ति : पीक आवर में हर 30 मिनट पर
- **फेज 2 :** स्थिरता आने पर हर 20 मिनट पर
- **भविष्य में :** बढ़ती मांग पर हर 10 मिनट पर
- **लक्ष्य :** पहला सेक्शन 2027 में सूरत से बिलीमोरा के बीच शुरू होगा

भारत में ट्रेन संचालन के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। लोको पायलट और मेंटेनेंस स्टाफ का प्रशिक्षण जापान में आधुनिक सिमुलेटरों पर किया जा रहा है।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इंजीनियरिंग उत्कृष्टता

इस परियोजना में एडवांस New Austrian Tunnelling Method (NATM) का इस्तेमाल किया गया है। इसमें संरक्षा के लिए विशेष उपकरण लगाए गए हैं ताकि आसपास की संरचनाओं और समुद्री पारिस्थितिकी पर कोई असर न पड़े।

रणनीतिक महत्त्व

यह ऐतिहासिक परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विजन के अनुरूप है। यह कॉरिडोर भारत के भविष्य के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के लिए एक मॉडल साबित होगा।

बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति (सितंबर 2025) : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर 508 कि.मी. लंबा है। कुल वायाडक्ट में से 323 कि.मी. का काम पूरा हो चुका है, साथ ही 399 कि.मी. के पियर का काम भी पूरा हो चुका है। पुल निर्माण के प्रमुख पड़ावों में 17 नदी के ऊपर बनने वाले पुल, 5 पीएससी पुल और 9 स्टील पुलों का निर्माण शामिल है। कुल 211 कि.मी. ट्रैक बिछाया जा चुका है और कॉरिडोर पर 4 लाख से ज्यादा ध्वनि अवरोधक लगाए गए हैं।

पालघर में सात पर्वतीय सुरंगों के लिए खुदाई का काम चल रहा है, जबकि बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी एनएटीएम सुरंग के 5 कि.मी. हिस्से का काम पूरा हो चुका है। सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो निर्माणाधीन हैं। गुजरात के सभी स्टेशनों पर ऊपरी ढ़ांचे का काम अंतिम चरण में है। महाराष्ट्र के सभी तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर काम शुरू हो गया है।

रेल मंत्री और जापान के मंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना के सूरत और मुंबई स्थलों का किया दौरा



सूरत में हाई–स्पीड रेल परियोजना स्थल का निरीक्षण करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा जापान के पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जापान के भूमि, अवसंरचना, परिवहन एवं पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ दिनांक 3 अक्टूबर, 2025 को सूरत और मुंबई में मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के हाई–स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थलों का दौरा किया। सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जापानी मंत्री के स्वागत समारोह में सूरत के सांसद मुकेश दलाल, महापौर दक्षेश मवानी, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे, एनएचएसआरसीएल और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सूरत में ट्रैक स्लैब बिछाने के स्थल का दौरा : दोनों मंत्रियों ने सूरत हाई–स्पीड रेल स्थल पर ट्रैक निर्माण स्थल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने वायाडक्ट पर जे–स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली की स्थापना का काम देखा। ट्रैक स्लैब की स्थापना और स्थायी रेल ट्रैक बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। हाल ही में, रेल मंत्री ने सूरत एचएसआर स्टेशन के पास पहले ट्रैक टर्नआउट इंस्टॉलेशन का भी अवलोकन किया था।

मुंबई के बीकेसी एचएसआर स्टेशन का दौरा : दोनों मंत्रियों ने वंदे भारत एक्सप्रेस से सूरत से मुंबई तक की यात्रा की। उन्होंने मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) बुलेट ट्रेन स्टेशन की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री नाकानो और जापानी टीम ने वंदे भारत ट्रेन की गुणवत्ता पर खुशी जताई।

मुंबई के बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन की विशेषताएँ : मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर पर, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन एक भूमिगत सुविधा होगी। खुदाई 30 मीटर से



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जापान के मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस में सूरत से मुंबई तक यात्रा की

ज्यादा गहरी हो चुकी है, जो एक 10 मंज़िला इमारत के बराबर है और करीब 84% काम पूरा हो चुका है। स्टेशन में तीन तल होंगेः प्लेटफ़ॉर्म, कॉन्कोर्स और सर्विस फ्लोर और यह सड़क और मेट्रो दोनों से जुड़ा होगा। दो प्रवेश और निकास बिंदु प्रस्तावित हैं, जिनमें से एक मेट्रो स्टेशन के पास और दूसरा एमटीएनएल भवन के पास होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए डिज़ाइन किए गए इस स्टेशन में विशाल क्षेत्र और आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, साथ ही इसमें भरपूर प्राकृतिक रोशनी का भी ख्याल रखा जाएगा।

जापानी मंत्री की यह यात्रा, भारत के पहले हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण में, भारत और जापान के बीच मज़बूत सहयोग को दर्शाती है।

महाराष्ट्र में ट्रैक संबंधी कार्यों के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दिनांक 12 सितंबर, 2025 को महाराष्ट्र में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें लगभग 157 रूट कि.मी. संरेखण में, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गाँव के बीच पूरे मार्ग में चार स्टेशनों और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल हैं।

गुजरात में (पैकेज टी-2 और टी-3 के अंतर्गत) 200 कि.मी. से अधिक लंबे वायाडक्ट पर ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। ट्रैक निर्माण कार्य से संबंधित तीनों पैकेज भारतीय कंपनियों को सौंपे गए हैं, जिससे हाई-स्पीड रेल ट्रैक निर्माण तकनीक में भारत की समग्र विशेषज्ञता में वृद्धि हुई है।

जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी रहित स्लैब ट्रैक प्रणाली का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएएचएसआर) के लिए किया जा रहा है। इस ट्रैक प्रणाली में चार मुख्य घटक होते हैं: आर.सी. ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सी.ए.एम.), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल। एनएचएसआरसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) ने भारतीय



इंजीनियरों, कार्य प्रभारियों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों के लिए व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 15 विशेष मॉड्यूलों को कवर करते हुए, ये कार्यक्रम ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, स्लैब ट्रैक इन्स्टॉलेशन और सीएएम इन्स्टॉलेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थे। गुजरात में टी-2 और टी-3 पैकेज के तहत लगभग 436 इंजीनियरों को इन उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी पैकेज के तहत महाराष्ट्र में भी ट्रैक निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना है।



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप मर्फी की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में यह बात सामने आई कि गति शक्ति विश्वविद्यालय और अमेरिका के प्रमुख विश्वविद्यालय संयुक्त शोध, विकास और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए साझेदारी स्थापित करेंगे

भारत-भूटान की दो रेल परियोजनाओं पर समझौता

रेल मंत्री ने ₹4,033 करोड़ की लागत से पूरी होने वाली लगभग 90 कि.मी. रेल नेटवर्क परियोजना की घोषणा की



भारत और भूटान को जोड़ने वाली दो रेल परियोजनाओं की जानकारी संवाददाताओं के साथ साझा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव। साथ में, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार व अन्य गणमान्य

भारत और भूटान के बीच दो रेल लिंक परियोजनाएँ कोकराझार–गालेफू और बनरहाट–सामत्से रेल लाइन परियोजना के निर्माण को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दिनांक 29 सितंबर, 2025 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी साझा की। इस अवसर पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार भी उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने बताया, ये परियोजनाएँ मूल रूप से भूटान के दो बहुत ही महत्त्वपूर्ण शहरों को जोड़ने वाली हैं। इनमें से एक है गालेफू, जिसे माइंडफुलनेस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। दूसरा है सामत्से, जो भूटान का एक औद्योगिक शहर है। ये दोनों परियोजनाएँ भारतीय रेल नेटवर्क कोकराझार (असम) और बनरहाट (भूटान) से जुड़ेंगी। इस समय इन परियोजनाओं पर कुल अनुमानित निवेश की राशि ₹4,033 करोड़ है। परियोजनाओं की कुल लंबाई लगभग 90 कि.मी. होगी।

उन्होंने कहा कि भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भूटान का अधिकांश आयात-निर्यात भारतीय बंदरगाहों के माध्यम से होता है। इसलिए भूटान की अर्थव्यवस्था की वृद्धि और लोगों को वैश्विक नेटवर्क तक बेहतर पहुँच देने के लिए एक सुगम और निर्बाध रेल संपर्क होना बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। यही कारण है कि इन परियोजनाओं को बनाया जाएगा। सामत्से और गालेफू, दोनों ही शहर भूटान की आर्थिक वृद्धि में महत्त्वपूर्ण और अद्वितीय स्थान रखते हैं।

कोकराझार–गालेफू परियोजना (भारत में 66.66 कि.मी. और भूटान में 2.39 कि.मी.)

न्यू बोंगाईगाँव भारत का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जो इस लाइन से जुड़ जाएगा। कोकराझार इसका प्रमुख क्षेत्रीय स्टेशन है, जो पूरे भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इस कड़ी में लगभग 70 कि.मी. का निर्माण होगा और इसके साथ ही 1,50,000 कि.मी. के विशाल रेल नेटवर्क से जुड़ने का लाभ मिलेगा।



इस सेक्शन में छह स्टेशन, दो बड़े ब्रिज, दो वायाडक्ट होंगे, जिनका पूरा हिस्सा ऊँचाई पर होगा। इसके अतिरिक्त 29 बड़े ब्रिज, 65 छोटे ब्रिज, दो गुड्स शेड, एक फ्लाईओवर और 39 अंडरपास बनाए जाएंगे। इन सबके लिए निर्माण अवधि लगभग चार साल होगी। जमीन से संबंधित सारी औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं और बहुत जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। इससे पर्यटन, उद्योग, लोगों की आवाजाही और माल ढुलाई आसान होगी, जो हर दृष्टि से बड़े आर्थिक लाभ पहुँचाएंगे।

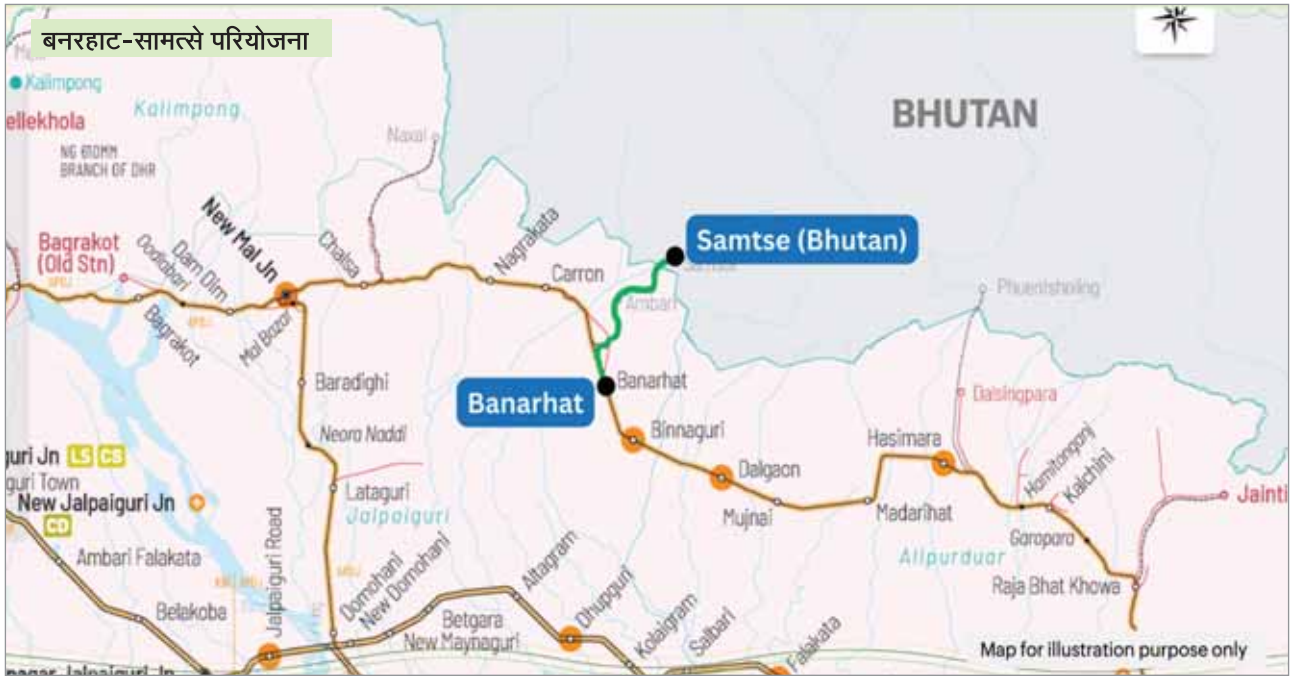
बनरहाट–सामत्से परियोजना (भारत में 17.42 कि.मी. और भूटान में 2.39 कि.मी.)

यह दूसरी लाइन है, जो भारत के बनरहाट को सामत्से से जोड़ेगी। यह 20 कि.मी. लंबी परियोजना होगी। इसमें दो स्टेशन, एक बड़ा ब्रिज, 24 छोटे ब्रिज, एक फ्लाईओवर और 37 अंडरपास होंगे। इसकी लागत लगभग ₹577 करोड़ होगी और इसे तीन साल में पूरा किया जाएगा। इससे भूटान के लोगों को बड़ा लाभ होगा। माल ढुलाई, जो आज कई दिनों में होती है, अब कुछ घंटों में हो जाएगी। उदाहरण के लिए मिजोरम में पहले सीमेंट या स्टील भरे ट्रक को आइजोल पहुँचने में चार-पाँच दिन लगाते थे, अब यह कुछ घंटों में संभव है। वही लाभ सामत्से और गालेफू को भी मिलेगा। भारत-भूटान के बीच हुए इस समझौते से दोनों देशों के बीच परस्पर आवागमन, पर्यटन और व्यापार में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा रणनीतिक रुप से भी इन परियोजनाओं को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

आगे रेल मंत्री ने कहा, बनरहाट–सामत्से खंड में भूटान की ओर लगभग 2.13 कि.मी. और भारत की ओर लगभग 17.42 कि.मी. लंबाई होगी। गालेफू परियोजना में भूटान की ओर लगभग 2.39 कि.मी. और भारत की ओर 66.66 कि.मी. लंबाई होगी। समय की दृष्टि से समत्से परियोजना लगभग तीन वर्ष में तथा गालेफू परियोजना चार वर्ष में पूरी होने की योजना है।

उन्होंने कहा कि इन दोनों रेल लाइनों का उपयोग माल ढुलाई और यात्री सवारी दोनों में ही किया जा सकेगा। इस लाइन में देशभर में लागू किए जा रहे सबसे उन्नत सिगलिंग सिस्टम लगाए जाएंगे और इसे वंदे भारत ट्रेनों के संचालन के अनुरूप डिजाइन किया जाएगा। इसका अर्थ है कि यहाँ आधुनिक, पूर्णतः विद्युतीकृत ट्रेनें चलेंगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भूटान की यात्रा पर गए थे तो दोनों देशों के बीच इस पर सहमति बनी थी। रेल मंत्री ने कहा कि यह परियोजना उन वादों में से एक है, जो हमने किए थे और अब हम उसे पूरा कर रहे हैं।



मालवा क्षेत्र जुड़ेगा चंडीगढ़ रेल नेटवर्क से

भारतीय रेल ने ₹443 करोड़ की राजपुरा-मोहाली 18 कि.मी. रेल लाइन को दी मंजूरी



पंजाब के रेल विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब को रेलवे की एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। पंजाब में बहुप्रतीक्षित राजपुरा–मोहाली नई रेल लाइन को मंजूरी दे दी गई है। इससे पंजाब के लोगों की 50 साल से भी पुरानी मांग पूरी हो गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिनांक 23 सितंबर, 2025 को यह घोषणा की।

इस 18 कि.मी. लंबी रेलवे लाइन पर ₹443 करोड़ खर्च होंगे और यह मालवा क्षेत्र को राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से सीधे जोड़ेगी।

नई लाइन के प्रमुख लाभ

सीधा संपर्क : लुधियाना से चंडीगढ़ पहुँचने के लिए ट्रेनों को पहले अंबाला होकर जाना पड़ता था, जिससे दूरी अधिक होने के कारण ज्यादा समय लगता था। अब राजपुरा और मोहाली के बीच सीधा संपर्क होगा और दूरी करीब 66 कि.मी. कम हो जाएगी।

मालवा क्षेत्र के सभी 13 जिले अब चंडीगढ़ से सीधे जुड़ जाएँगे। इससे मौजूदा राजपुरा–अंबाला मार्ग पर यातायात आसान होगा और अंबाला–मोरिंडा लिंक छोटा हो जाएगा।

सभी उपलब्ध विकल्पों में से, इस मार्ग को इसलिए चुना गया, क्योंकि इसमें कृषि भूमि के अधिग्रहण की जरूरत सबसे कम है, जिससे कृषि गतिविधियों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

- **पंजाब के लिए रेल बजट, 2009-14 के ₹225 करोड़ से 24 गुना बढ़कर 2025-26 में ₹5,421 करोड़ हुआ**
- **राजपुरा-मोहाली रेल लाइन पंजाब के कपड़ा, विनिर्माण और कृषि को बढ़ावा देगी, परिवहन लागत कम करेगी और तीर्थयात्रा तथा पर्यटन संपर्क को बेहतर बनाएगी**
- **फिरोजपुर कैंट-बठिंडा-पटियाला-दिल्ली के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस प्रस्तावित**
- **फिरोजपुर-पट्टी रेल लाइन, पंजाब के सीमावर्ती जिलों को प्रमुख शहरों और गुजरात के बंदरगाहों से जोड़ेगी, एक आर्थिक गलियारा बनाएगी और रसद लागत कम करेगी**
- **30 अमृत स्टेशन, प्रमुख नई लाइनें और दोहरीकरण परियोजनाएँ पंजाब में रेलवे के बुनियादी ढाँचे में बदलाव ला रही हैं**

उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

इस परियोजना से कपड़ा, विनिर्माण और कृषि सहित कई उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह पंजाब के कृषि क्षेत्र को प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों और बंदरगाहों से जोड़ने वाला एक व्यापक नेटवर्क तैयार करेगी, जिससे निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त होंगी :

- कृषि उपज की आवाजाही में आएगी तेजी
- उद्योगों के लिए परिवहन लागत में कमी आएगी, जैसे राजपुरा थर्मल पावर प्लांट
- धार्मिक स्थलों पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को मिलेगी सुविधा, पर्यटन की संभावनाओं में होगी बढ़ोत्तरी
- गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब, शेख अहमद अल-फारुकी अल-सरहिंदी की दरगाह, हवेली टोडरमल, संघोल संग्रहालय आदि से बढ़ेगा संपर्क

प्रस्तावित नई वंदे भारत एक्सप्रेस

- **मार्ग :** फिरोजपुर कैंट भटिंडा पटियाला दिल्ली
- **सेवा :** सप्ताह में 6 दिन (बुधवार को छोड़कर)
- **यात्रा समय :** 6 घंटे 40 मिनट में 486 कि.मी. की दूरी
- **आवृत्ति :** सीमावर्ती जिले को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने वाली दैनिक सेवा

पंजाब में रिकॉर्ड निवेश

- **2009-14 :** (औसत) ₹225 करोड़ सालाना
- **2025-26 :** ₹5,421 करोड़ सालाना
- पिछली सरकार की तुलना में 24 गुना वृद्धि

2014 से अब तक की प्रमुख उपलब्धियाँ

- 382 कि.मी. नई पटरियों का निर्माण
- 1,634 कि.मी. विद्युतीकरण (पंजाब अब 100% विद्युतीकृत)
- 409 रेल फ्लाईओवर और अंडर-ब्रिज का निर्माण

वर्तमान परियोजनाएँ

- पंजाब में ₹25,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं
- ₹21,926 करोड़ की लागत से 714 कि.मी. लंबी 9 नई ट्रैक परियोजनाएँ
- ₹1,122 करोड़ की लागत से 30 अमृत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है
- ₹1,238 करोड़ की लागत से 88 आरओबी/आरयूबी (फ्लाईओवर/अंडरपास)

फिरोजपुर-पट्टी रेल लाइन सीमावर्ती जिलों और गुजरात के बंदरगाहों के बीच अहम संपर्क प्रदान करेगी। यह सेवा पंजाब के सीमावर्ती जिलों (अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर) को जोड़ने वाला एक आर्थिक गलियारा बनाएगी। ये प्रमुख शहरों और अंत में गुजरात के बंदरगाहों से भी जुड़ेंगी, जिससे रसद लागत में खासी कमी आएगी।

2014 से पूर्णरूप से तैयार महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ

परियोजना
नंगल डैम-दौलतपुर चौक नई लाइन (61 कि.मी., ₹672 करोड़)
चक्की बैंक-भरौली दोहरीकरण (3 कि.मी., ₹15 करोड़)
जाखल-मानसा दोहरीकरण (45 कि.मी., ₹163 करोड़)
जालंधर-सुचीपिंड दोहरीकरण (4 कि.मी., ₹24 करोड़)
अंबाला-चंडीगढ़ दोहरीकरण (45 कि.मी., ₹338 करोड़)
मानसा-बठिंडा दोहरीकरण (49 कि.मी., ₹216 करोड़)
अमृतसर-छेहर्टा दोहरीकरण (7 कि.मी., ₹31 करोड़)
जालंधर-जम्मू तवी दोहरीकरण (211 कि.मी., ₹850 करोड़)
राजपुरा-बठिंडा दोहरीकरण (173 कि.मी., ₹2,459 करोड़)

कार्यान्वयनाधीन मुख्य परियोजनाएँ

परियोजना
नंगल डैम-तलवाड़ा नई लाइन (123 कि.मी., ₹2,018 करोड़)
भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी नई लाइन (63 कि.मी., ₹6.753 करोड़)
फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 कि.मी., ₹300 करोड़)
मानसा-बठिंडा दोहरीकरण (80 कि.मी., ₹449 करोड़)
लुधियाना-किला रायपुर दोहरीकरण (17 कि.मी., ₹238 करोड़
लुधियाना-मुल्लांपुर दोहरीकरण (21 कि.मी., ₹295 करोड़)
अलल-हिम्मताना दोहरीकरण (13 कि.मी., 174 करोड़)

त्योहारों का मौसम : रिकॉर्ड रेल सेवाएँ

भारतीय रेल में अन्य प्रमुख नई जानकारियों का ऐलान करते हुए, रेल मंत्री ने छठ और दीवाली के दौरान 12,000 विशेष रेलगाड़ियाँ चलाने की रिकॉर्ड व्यवस्था की भी घोषणा की :

विशेष रेल सेवाएँ

पिछले वर्ष : 7,724 विशेष रेलगाड़ियाँ

- **इस वर्ष लक्ष्य :** 12,000 विशेष रेलगाड़ियाँ
- **पहले ही अधिसूचित :** 10,000 से अधिक फेरे
- **अनारक्षित रेलगाड़ियाँ :** 150 रेलगाड़ियाँ शीघ्र परिचालन के लिए तैयार
- **अतिरिक्त :** 50 और रेलगाड़ियाँ जल्द ही अधिसूचित की जाएँगी
- यात्रियों की अधिकतम आवाजाही आमतौर पर 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होती है और रेलवे इस भीड़ को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिहार को मिलीं और 7 नई ट्रेनें

रेल मंत्री ने 3 अमृत भारत एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

- **देश भर में अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं की कुल संख्या बढ़कर हुई 30, जिनमें 26 सेवाएँ बिहार से शुरू**
- **वर्ष 2014 से नई लाइनें, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण तथा तीसरी और चौथी लाइनें जोड़ने जैसी 21 परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें पटना और मुंगेर रेल-सह-सड़क ब्रिज भी शामिल**





रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 29 सितंबर, 2025 को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएंगी, जिसका सीधा लाभ वहां के यात्रियों को मिलेगा। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएँ शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर–चरलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है, जबकि छपरा–आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है। ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेनें यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

रेल मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा कि बिहार में विकास की गति ऐसी है कि निकट भविष्य में यह देश का एक स्वर्णिम राज्य बनकर उभरेगा। ये ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी का एक नया स्तर प्रदान करेंगी, यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएँगी और राज्य के समग्र विकास को गति देंगी। रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से, उन्होंने राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए रेलवे को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बिहार का वार्षिक रेल बजट केवल लगभग ₹1,000 करोड़ था, जबकि आज यह लगभग



₹10,000 करोड़ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार के विकास के लिए एक महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जिसके तहत बिहार में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएँ चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का रेलवे नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है और 1,899 कि.मी. नई पटरियाँ बिछाई गई हैं।

भारतीय रेल द्वारा विकसित, अमृत भारत एक्सप्रेस देश की रेल व्यवस्था में आधुनिकीकरण का प्रतीक बन गई है। यह ट्रेन यात्रा का न केवल एक तेज और किफायती विकल्प है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, अग्नि सूचक प्रणाली, सीलबंद गैंगवे और टॉक-बैक यूनिट जैसी उन्नत सुविधाएँ भी हैं। पहली बार, गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रियों की संरक्षा को बढ़ाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

यह 'विकसित बिहार से विकसित भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों पर एक नजर

- **दरभंगा-अजमेर (मदार) अमृत भारत एक्सप्रेस**
- **मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चरलापल्ली) अमृत भारत एक्सप्रेस**
- **छपरा- दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस**

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जिन चार यात्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, वे निम्नलिखित हैं-

> *" बिहार का वार्षिक रेल बजट 2014 से पहले 1,000 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 2025 में 10,000 करोड़ रुपये हो गया, जबकि लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम चल रहा है।"*
>
> **अश्विनी वैष्णव**
> रेल मंत्री

- **पटना-बक्सर पैसेंजर**
- **झाझा-दानापुर पैसेंजर**
- **नवादा-पटना पैसेंजर**
- **पटना-इस्लामपुर पैसेंजर**

राज्य में पूरी हो चुकी कुछ प्रमुख रेलवे परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए रेल मंत्री ने कहा कि 28 कि.मी. लंबा पटना रेल-सह-सड़क ब्रिज, 15 कि.मी. लंबा मुंगेर रेल-सह-सड़क ब्रिज और लंबे समय से प्रतीक्षित कोसी ब्रिज का निर्माण पूरा हो चुका है।

2014 से चालू महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ

पटना रेल-सह-सड़क ब्रिज, मुंगेर रेल-सह-सड़क ब्रिज, कोसी ब्रिज, दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन, चांदन-बांका नई लाइन, रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन, महाराजगंज-मसरख नई लाइन, राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन





मानसी–सहरसा–पूर्णिया आमान परिवर्तन, जयनगर–नरकटियागंज आमान परिवर्तन, कप्तानगंज–छपरा आमान परिवर्तन, सकरी–निर्मली एवं सहरसा–फारबिसगंज आमान परिवर्तन, मानसी–सहरसा–सहरसा–पूर्णिया एवं बनमनखी–बिहारीगंज आमान परिवर्तन, साहिबगंज–पीरपैंती दोहरीकरण, महेशखुट–थानाबिहपुर दोहरीकरण, हाजीपुर–रामदयालु नगर दोहरीकरण पीरपैंती–भागलपुर दोहरीकरण, बख्तियारपुर–बाढ़ दोहरीकरण, किउल–गया दोहरीकरण, हाजीपुर–बछवाड़ा दोहरीकरण, दरभंगा बाईपास

इसके अतिरिक्त, अररिया–गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन का काम पूरा हो चुका है और इसका शीघ्र ही उद्घाटन किया जाएगा।



क्रियान्वयन के अंतर्गत मुख्य परियोजनाएँ

नई लाइनें

सकरी–हसनपुर, खगड़िया–कुशेश्वरस्थान, कुरसेला–बिहारीगंज, तिलैया–कोडरमा, हाजीपुर–सुगौली, सीतामढी–शिवहर, छपरा–मुजफ्फरपुर, अररिया–सुपौल, विक्रमशिला–कटरिया (गंगा ब्रिज सहित), झाझा–बटिया, पीरपैंती–जसीडीह, छितौनी–तुमकुई रोड, जलालगरनी–किशनगंज, जोगबनी–विराटनगर औरंगाबाद टर्मिनल–अनुग्रह नारायण रोड, जयनगर–बिजलपुरा, धनबाद–सोननगर, आदि।

तीसरी/चौथी लाइन दोहरीकरण कार्य

समस्तीपुर–दरभंगा, सुगौली–वाल्मीकिनगर, मुजफ्फरपुर–सुगौली, नरकटियागंज–दरभंगा–सीतामढ़ी–मुजफ्फरपुर, छपरा–बलिया, कटिहार–कुमेदपुर, बरौनी–बछवारा (तीसरी और चौथी लाइन), सोननगर–अंडाल (तीसरी और चौथी लाइन), पुनारख–बक्तियारपुर (तीसरी और चौथी लाइन) इत्यादि।



रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि कई अन्य परियोजनाओं पर काम चल रहा है और अतिरिक्त परियोजनाओं की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में, बिहार में 13 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें यानी 26 सेवाएँ चल रही हैं, जो 25 जिलों के 42 स्टॉप को कवर करती हैं। इसके अलावा वंदे भारत सेवा की 10 जोड़ी ट्रेनें (20 सेवाएँ) 28 जिलों को कवर करती हैं। राज्य में नमो भारत रैपिड रेल सेवाएँ भी चल रही हैं।

बिहार से चलने वाली ये नई ट्रेनें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाएँगी और आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी। इन ट्रेनों का उद्देश्य न केवल बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक यात्रा भी प्रदान करना है।

अमृत भारत एक्सप्रेस

22 कोच वाले रेक के दोनों छोर इंजनों से जुड़े हैं



गति क्षमता : 130 कि.मी./घंटा

पुश-पुल संचालन
के लिए दोनों छोरों पर इंजनों के साथ
कंट्रोल कपलर्स

जर्क-फ्री यात्रा के लिए सेमी-पर्मानेंट
कपलर्स-संस्करण-1

सेमी-ऑटोमैटिक कपलर्स के साथ जर्क-फ्री
यात्रा और आसान कनेक्शन/डिस्कनेक्शन-
संस्करण-2

संस्करण-1

लोको+1 एलएसएलआरडी+4 एलडब्ल्यूएस+12
एलडब्ल्यूएससीएन+4 एलडब्ल्यूएस+1 एलएसएलआरडी+लोको

मात्र : वर्ष 2024 में 2 रेक

संस्करण-2

लोको+1 एलएसएलआरडी+5 एलडब्ल्यूएस+4
एलडब्ल्यूएससीएन+1 एलडब्ल्यूसीबी+4 एलडब्ल्यूएससीएन+6
एलडब्ल्यूएस+1 एलएसएलआरडी+लोको

मात्र : वर्ष 2025 में 25 रेक का लक्ष्य

यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ

- फोल्ड करने योग्य स्नैक टेबल
- मोबाइल होल्डर
- स्वचालित साबुन डिस्पेंसर
- स्ट्रीमलाइन्ड-एलईडी लाइट फिटिंग
- फोल्डेबल बोतल होल्डर
- बेहतर सीटें और बर्थ
- शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली
- स्लीपर कोच में एक दिव्यांगजन शौचालय
- रेडियम से प्रकाशित फ्लोरिंग स्ट्रिप
- तेजस प्रकार का सील्ड गैंगवे (वेस्टिब्यूल)
- शौचालय संकेत प्रकाश

अमृत भारत संस्करण-2.0 में अतिरिक्त सुविधाएँ

- सेमी-ऑटोमैटिक कपलर्स, सेमी-पर्मानेंट के स्थान पर आसानी से जोड़ने और हटाने के लिए।
- दुर्घटना से सुरक्षा देने वाली विशेषताएँ।
- त्वरित ब्रेक लगाने के लिए इलेक्ट्रो-पन्यूमैटिक सहायक ब्रेक सिस्टम।
- तेजी से जोड़ने और हटाने के लिए पूरी तरह से सील्ड गैंगवे।
- वंदे भारत के समान शौचालयों के लिए वैक्यूम निकासी प्रणाली।
- एसएमसी (शीट मोल्डिंग कम्पाउंड) सामग्री वाले शौचालय, ताकि रखरखाव में सुविधाजनक और उपयोगी हो।
- स्लीपर कोच में एक दिव्यांगजन शौचालय।
- शौचालय का संकेत देने वाला प्रकाश।
- एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय, जिसमें स्वचालित स्वच्छता की व्यवस्था और दुर्गंध नियंत्रण प्रणाली।
- व्हील और बेयरिंग की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए ऑन-बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओबीसीएमएस)।
- आईओटी आधारित जल स्तर संकेतक-इंटरनेट आधारित जल स्तर संकेतक जो पानी भरने वाले स्टेशन और ऑन-बोर्ड स्टाफ की सहायता करते हैं।
- बाहरी आपातकालीन रोशनियाँ जो आपातकालीन स्थितियों, जैसे डिरलमेंट और दुर्घटनाओं में बुनियादी रोशनी प्रदान करती है।
- चार्जिंग सॉकेट्स-ए और सी प्रकार के पोर्ट के लिए यूएसबी।
- एसएस ग्रिल्स के साथ पंखे।
- स्ट्रीमलाइन्ड-एलईडी लाइट फिटिंग।
- पब्लिक एड्रेस और यात्री सूचना प्रणाली।
- तेजस की तरह गैंगवे।
- शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।



एयर स्प्रिंग सस्पेंशन बोगियाँ

प्रत्येक यात्री के लिए मोबाइल चार्जिंग सॉकेट

पब्लिक एड्रेस और यात्री सूचना प्रणाली (पीएपीआईएस)

प्रत्येक कोच में 2 भारतीय और 2 पश्चिमी शैली के शौचालय, इलेक्ट्रो-पन्यूमैटिक फ्लशिंग सिस्टम,

एल्युमिनियम कम्पोजिट पैनल्स के साथ संशोधित आंतरिक पैनलिंग

281 कि.मी. रेल लाइनों के दोहरीकरण को कैबिनेट ने दी हरी झंडी



बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को बड़ी सौगात

सितंबर 2025 : भारतीय रेल के लिए ऐतिहासिक माह

महज दो हफ्तों के भीतर केंद्र सरकार ने रेल लाइन दोहरीकरण की दो बड़ी परियोजनाओं को दी मंजूरी–

- **बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया (104 कि.मी.)**
- **भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट (177 कि.मी.)**

इन दोनों परियोजनाओं के साथ रेल नेटवर्क में कुल 281 कि.मी. की नई क्षमता जुड़ जाएगी। नतीजा होगा तेज रफ्तार ट्रेनें, अधिक माल ढुलाई और यात्रियों के लिए सुविधाजनक सफर।

कुल निवेश : ₹5,361 करोड़



बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया: इतिहास और विरासत से जुड़ा मार्ग

- **लंबाई :** 104 कि.मी.
- **कवर जिले :** नालंदा, गया, नवादा, पटना
- **लाभान्वित गाँव :** लगभग 1,434
- **जनसंख्या :** ~13.46 लाख
- **आकांक्षी जिले :** गया, नवादा

क्यों अहम है?

यह मार्ग सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश और कोयला ढुलाई का प्रमुख केंद्र है। दोहरीकरण से **26** एमटीपीए अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी।

तीर्थ और धरोहर

यह लाइन राजगीर (शांति स्तूप), नालंदा (प्राचीन विश्वविद्यालय) और पावापुरी (जैन तीर्थ) जैसी धरोहर स्थलों से जोड़ती है। यहाँ रेल सुविधा बढ़ने से पर्यटन और व्यापार दोनों को नया बल मिलेगा।

भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट : उद्योग और आस्था की डोर

- **लंबाई : 177** कि.मी.
- **जनसंख्या : ~28.72** लाख
- **कवर राज्य :** बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल
- **आकांक्षी जिले :** बांका, गोड्डा, दुमका
- **लाभान्वित गाँव :** लगभग **441**

क्यों अहम है?

यह रूट कोयला, सीमेंट, खाद, ईंट और पत्थर जैसी सामग्रियों की ढुलाई की रीढ़ है। दोहरीकरण के बाद यहाँ से **15** एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी।

आस्था का स्पर्श

यही ट्रैक श्रद्धालुओं को बैद्यनाथ धाम, देवघर और तारापीठ शक्ति पीठ तक आसान पहुँच देता है। लाखों यात्रियों के लिए यह सुविधा अब और सुगम होगी।

पर्यावरण और बचत के फायदे

दोनों परियोजना न सिर्फ यात्रियों और उद्योग को राहत देंगे बल्कि पर्यावरण को भी बड़ा लाभ पहुँचाएँगे :

- **तेल की बचत : ~5** करोड़ लीटर प्रतिवर्ष
- **CO_2 उत्सर्जन में कमी : ~24** करोड़ किलो
- **ग्रीन इक्विवेलेंट :** 1 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर



आत्मनिर्भर भारत की पटरी पर

दोनों परियोजनाओं मिलकर लगभग **1,875** गाँवों और **42.18** लाख आबादी को सीधा लाभ देंगे।

रेलवे न सिर्फ ट्रैक बिछा रहा है, बल्कि आर्थिक मजबूती, सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास की नई राह भी खोल रहा है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025

भारतीय रेल में दिनांक 17 सितंबर, से 2 अक्टूबर 2025 तक 'स्वच्छता ही सेवा-2025' पखवाड़ा अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

रेल मंत्रालय का स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान



मध्य प्रदेश के धार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल, नई दिल्ली से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार तथा अन्य वरिष्ठअधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 17 सितंबर, 2025 को 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' का शुभारंभ किया। यह अभियान पूरे भारत में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवा एवं पोषण संबंधी सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। रेल मंत्रालय, एक सहयोगी मंत्रालय के रूप में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त नेतृत्व में चलने वाले इस पहल में योगदान दे रहा है।

इस पहल के तहत, उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान में अपनी भागीदारी की घोषणा की। समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा उपस्थित थे।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है। यह कार्यक्रम रक्ताल्पता (एनीमिया), उच्च रक्तचाप और मधुमेह सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जाँच करके उनकी शीघ्र पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सेवा की भावना को जारी रखते हुए, रेल मंत्रालय ने दिनांक 17 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्घाटन रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने किया।

कार्यक्रम भारतीय रेल नेटवर्क में एक पखवाड़े तक चला। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नई दिल्ली स्टेशन पर रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद, उन्होंने स्टेशन की स्वच्छता में योगदान देने हेतु श्रमदान में सक्रिय रूप से भाग लिया। रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर ने रेल भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।



सेवा पर्व के तहत आयोजित एक विशाल रक्तदान अभियान के दौरान रक्तदान करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव



स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई





दिनांक 22 सितंबर, 2025 को रेलवे बोर्ड में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान-2025 के तहत नुक्कड़ नाटक, गीत और कविताओं के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने प्रधानमंत्री के आह्वान को दोहराते हुए सभी से स्वच्छ भारत के लिए श्रमदान का संकल्प लेने का आग्रह किया

उत्तर रेलवे में दिनांक 25 सितंबर, 2025 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय, सभी स्टेशनों और कार्यालयों में कर्मचारियों और अधिकारियों ने मिलकर 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' की थीम पर स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हितेन्द्र मल्होत्रा, सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर उषा वेणुगोपाल, सदस्य (वित्त) रेलवे बोर्ड ने श्रमदान किया।





'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर के नेतृत्व में नई दिल्ली स्थित रेल भवन में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' संकल्प के तहत श्रमदान किया गया। अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।


वडनगर, गुजरात


पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स


प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे


एसएसएस हुब्बल्लि रेलवे स्टेशन, कर्नाटक


मैसूरु मंडल


संबलपुर मंडल, ओडिशा


सियालदह मंडल, पश्चिम बंगाल


गदग जंक्शन, कर्नाटक


रेल सौधा, कर्नाटक


बनारस रेल इंजन कारखाना


केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा, तेलंगाना


कृष्णराजपुरम, कर्नाटक



पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

भारतीय रेल 'विशेष अभियान 5.0' के सफल कार्यान्वयन के लिए तैयार
स्वच्छता ही मिशन के तहत लंबित मामलों के निपटान के लिए संकल्पबद्ध



रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के मार्गदर्शन में दिनांक 2 अक्टूबर, 2025 से भारतीय रेल कार्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 'विशेष अभियान 5.0' शुरू करने हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक की गई

स्वच्छता को संस्थागत बनाने और लंबित मामलों के निपटान के लिए सरकार द्वारा दिनांक 15 सितंबर, 2025 से 'विशेष अभियान 5.0' का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य लक्ष्य निर्धारित करना और उसके बाद दिनांक 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 के दौरान उन लक्ष्यों को प्राप्त करना है। रेल मंत्रालय भारतीय रेल में अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह तैयार है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के नेतृत्व में रेलवे बोर्ड अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इस अभियान की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने की तैयारियों पर कड़ी नजर रख रहा है। इस संबंध में सभी महाप्रबंधकों और अन्य इकाइयों के प्रमुखों को एक डीओ पत्र के माध्यम से सभी क्षेत्रीय इकाइयों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। रेलवे बोर्ड के सचिव की अध्यक्षता में अभियान के सभी नोडल अधिकारियों के साथ दिनांक 27 अगस्त, 2025 को एक समीक्षा बैठक की गई।

सभी 17 क्षेत्रीय रेलवे, 70 मंडल कार्यालयों, 10 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, 9 उत्पादन इकाइयों और 9 केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। इस प्रयास के समन्वय के लिए भारतीय रेल में 150 से अधिक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और वास्तविक समय पर संचार तथा अपडेट की सुविधा के लिए एक समर्पित व्हाट्सऐप ग्रुप भी बनाया गया है। वर्तमान में जारी तैयारी के अंतर्गत प्रमुख अभियान मापदंडों के संबंध में लक्ष्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिनमें लंबित संदर्भों का निपटान, फाइल समीक्षा, स्वच्छता अभियान, ई-कचरा प्रबंधन और स्क्रैप निपटान शामिल हैं।

रेल मंत्रालय स्वच्छता को एक दैनिक संस्थागत अभ्यास बनाने और सभी लंबित मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी इकाइयों की समन्वित योजना और समर्पित भागीदारी के साथ मंत्रालय का लक्ष्य 'विशेष अभियान 5.0' में शानदार सफलता हासिल करना है।

भारतीय रेल कार्यालयों में स्वच्छता अभियान 5.0 शुरू

अभियान के लिए सभी रेलवे इकाइयों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। जैसे-जैसे तैयारी का चरण अग्रसर होगा, वर्तमान स्वच्छता अभियान के दौरान निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा :

- **लंबित वीआईपी संदर्भ**
- **जन शिकायतें**
- **रिकॉर्डिंग और छंटाई के लिए फाइलों की समीक्षा**
- **स्वच्छता अभियान**
- **ई-कचरा प्रबंधन**
- **कबाड़ निपटान के माध्यम से राजस्व सृजन**

जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 'रेल चौपाल' और 105 अमृत भारत स्टेशनों पर 'अमृत संवाद' जैसी नागरिक-केंद्रित पहलों की भी योजना बनाई गई है।

अमृत संवाद

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद



यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और अमृत काल के दौरान स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है ताकि एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क बनाया जा सके

प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित अमृत काल के दृष्टिकोण और पंच प्रण के सिद्धांत के मार्गदर्शन में, रेल मंत्रालय ने 'विशेष अभियान 5.0' के अंतर्गत एक नई नागरिक-केंद्रित पहल शुरू की है। पिछले वर्ष भारतीय रेल में आयोजित रेल चौपाल से प्रेरित होकर, यह पहल अब अमृत संवाद के रूप में आयोजित की गई।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने दिनांक 2 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद में भाग लिया। अमृत संवाद के दौरान उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और स्टेशनों पर किए गए विभिन्न सुधारों पर यात्रियों से उनकी राय जानी। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 8 सफाई मित्रों एवं 3 छात्रों को सम्मानित किया, जो स्वच्छता के थीम पर आयोजित पेंटिंग कंपटीशन के विजेता रहे।

'अमृत संवाद' रेल अधिकारियों और नागरिकों के बीच संवाद के लिए एक सीधा मंच प्रदान करता है, जिससे यात्रियों की प्रतिक्रिया, चिंताओं और सुझावों पर ध्यान दिया जा सके। अमृत संवाद पूरे भारतीय रेल में अमृत स्टेशनों एवं अनेक अन्य प्रमुख स्टेशनों पर दिनांक 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

इस पहल में 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत स्टेशनों पर किए गए निम्नलिखित सुधारों पर प्रकाश डाला जाएगा :

- उन्नत प्रतीक्षालय और शौचालय।
- बेहतर लिफ्ट, एस्केलेटर और यात्री सूचना प्रणाली।
- मुफ्त वाई-फाई और 'एक स्टेशन एक उत्पाद' कियोस्क।
- भूनिर्माण और सौंदर्य संवर्धन।
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ और अन्य सुगम्यता उपाय।

'अमृत संवाद' आगे के सुधारों के लिए सुझाव भी एकत्र करेगा, जैसे :

- बेहतर यातायात और शहरी परिवहन प्रणालियों के साथ एकीकरण।
- अतिरिक्त यात्री सुविधाएँ।
- ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ समाधान।
- बेहतर प्लेटफॉर्म कवर और यात्रियों के लिए व्यक्तिगत सुविधाएँ।

यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने, स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग देने और अमृत काल के दौरान एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क के लिए भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य करने पर केंद्रित है।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के दौरान, भारतीय रेल ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित हुई। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

- **स्वच्छता ही सेवा–** 2025 (दिनांक 17 सितंबर, 2025 से 2 अक्टूबर, 2025) पर रिपोर्ट–भारतीय रेल द्वारा स्वच्छता गतिविधियाँ
- स्वच्छता शपथ लेने वाले लोग (संख्या)–240856
- जन जागरूकता कार्यशालाएँ (संख्या)–2452
- एनजीओ, सीएसओ आदि के साथ कार्यक्रम (संख्या)–361
- सफाई मित्र संरक्षा शिविर/स्वास्थ्य शिविर (संख्या)–1117
- प्रदान किए गए संरक्षा PPE और उपकरण (संख्या)–26059
- मैराथन (संख्या)–215
- साइक्लोथन (संख्या)–239
- वॉकएथन (संख्या)–663
- एसबीएम खेल लीग (संख्या)–476
- लगाए गए पौधे (संख्या)–74078
- कम करें, दोबारा इस्तेमाल करें, रीसायकल करें (RRR) गतिविधियाँ (संख्या)–1077
- कचरे से कलाकृतियाँ (संख्या)–1222
- पर्यावरण के अनुकूल और जीरो वेस्ट उत्सव (संख्या)–273
- रीसायकल उत्पाद (रुपये में राशि)–25588887
- घर–घर जागरूकता (संख्या)–9763

श्रमदान– एक दिन, एक घंटा, एक साथ में भागीदारी (संख्या) दिनांक 25 सितंबर, 2025–71569

- स्वच्छ भोजन पहल (संख्या)–792
- ट्रेनों में कीड़ों और चूहों के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान (प्रभावित ट्रेनों की संख्या)–316
- स्टेशनों पर कीड़ों और चूहों के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान (प्रभावित स्टेशनों की संख्या)–363
- स्वच्छ भारत सांस्कृतिक महोत्सव (संख्या)–154
- एसबीएम के लिए प्रतियोगिताएँ (संख्या)–122
- यूथ कनेक्ट कार्यक्रम (संख्या)–115
- सार्वजनिक शौचालयों और ट्रेनों की सफाई और उन्नयन (संख्या)–1556बेस किचन की सफाई रेस्टोरेंट/फूड स्टॉल/पैंट्री कार (संख्या)–489
- पैंट्री कारों में स्मार्ट डस्टबिन लगाए गए (संख्या)–326
- हटाया गया प्लास्टिक (टन में)–364.558
- वर्कशॉप से इकट्ठा किया गया स्क्रैप (टन में)– 2898.29
- प्रभात फेरी (संख्या)–638
- सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया (संख्या)–1146
- विभिन्न प्रतियोगिताओं/मंडपों/पूजा समितियों को दिए गए पुरस्कार (संख्या)–98
- साफ किए गए रेलवे ट्रैक (कि.मी. में)–1096.6
- SHS–2025 के दौरान रेलवे परिसर में साफ किए गए जलस्रोत (नदियाँ, झीलें, तालाब, नाले आदि) (संख्या)–262।

हम सभी का भारतीय रेल के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

कबाड़ से करामात





स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत, कर्नाटक के गडग जंक्शन और छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्टेशन पर सघन सफाई अभियान चलाया गया। पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से, परिसर की गहन सफाई की गई और स्वच्छता के संदेश को पुनः दोहराया गया





महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने हजूर साहिब नांदेड-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी



देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने 26 अगस्त, 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एच.एस. नांदेड-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 20705/20706 जालना-मुंबई सीएसएमटी-जालना वंदे भारत एक्सप्रेस का हजूर साहिब नांदेड तक विस्तार) की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाई।

अशोकराव शंकरराव चव्हाण, सांसद और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री; डॉ. अजीत माधवराव गोपछड़े, सांसद, विक्रम वसंतराव काले, विधान परिषद सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने नांदेड रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में उपस्थित थे। यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी (बुधवार को नांदेड़ तथा गुरुवार को मुंबई से छोड़कर)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा दो मेमू रेल सेवाओं के विस्तार का शुभारंभ



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिनांक 18 सितंबर, 2025 को राजिम-रायपुर-राजिम नई मेमू रेल सेवा और रायपुर-अभनपुर दो मेमू रेल सेवाओं के राजिम तक विस्तार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रेल राज्य मंत्री ने लुधियाना में रेलवे स्वास्थ्य केंद्र का किया उद्घाटन

रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने दिनांक 27 सितंबर, 2025 को लुधियाना में नव-निर्मित रेलवे स्वास्थ्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। लगभग ₹7.5 करोड़ की लागत से बने इस अत्याधुनिक केंद्र का निर्माण 1,800 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किया गया है। यह केंद्र रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा। जी+1 संरचना में 06 ओपीडी, 4-बेड वाला वार्ड, आपातकालीन सुविधाएँ (जिसमें स्टेरिलाइजेशन एवं ड्रेसिंग रूम शामिल हैं), फार्मेसी और लोकल परचेज, यात्री व स्ट्रेचर लिफ्ट, 3 स्थानों पर प्रतीक्षालय सुविधाएँ (स्टेनलेस स्टील बेंच के साथ), कॉन्फ्रेंस रूम, पुरुष/महिला एवं स्टाफ के लिए अलग शौचालय, वीआरवी एयर कंडीशनिंग सिस्टम, सुसज्जित डबल हाइट लॉबी, दोपहिया/चारपहिया एवं एम्बुलेंस पार्किंग की सुविधा, अस्पताल के बाहर विकसित हरे क्षेत्र, पीएमई डार्क रूम सुविधा, एक्स-रे कक्ष (डार्क रूम सहित), प्रयोगशाला एवं मेडिकल रिकॉर्ड रूम शामिल हैं।

फिरोजपुर मंडल की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में फिरोजपुर मंडल में एक डिविजनल अस्पताल (फिरोजपुर), एक उप-मंडलीय अस्पताल (अमृतसर) तथा 6 स्वास्थ्य इकाइयाँ हैं, जिनमें कुल 34 डॉक्टर कार्यरत हैं। फिरोजपुर डिविजनल अस्पताल में कुल 69 बेड हैं, जहाँ मेडिसिन, जनरल सर्जरी, स्त्री रोग, अस्थि रोग, पैथोलॉजी, एनेस्थीसिया एवं डेंटल जैसी विभिन्न विशेषताओं में चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध हैं। अस्पताल में अत्याधुनिक प्रयोगशाला,



फिजियोथेरेपी यूनिट, कंप्यूटरीकृत रेडियोग्राफिक सिस्टम और मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधाएँ मौजूद हैं।

अमृतसर में 50-बेड का अस्पताल संचालित है, साथ ही लुधियाना, जालंधर सिटी, जालंधर छावनी और कपूरथला में स्वास्थ्य इकाइयाँ कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, रेलवे लाभार्थियों को आपातकालीन देखभाल प्रदान करने हेतु 51 निजी अस्पतालों और 16 डायग्नोस्टिक केंद्रों को पैनल में शामिल किया गया है।

इस अवसर पर संजीव कुमार (मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन आरक्षित टिकट बुकिंग हेतु शुरुआती 15 मिनट के लिए 'आधार' आवश्यक

दिनांक 1 अक्टूबर, 2025 से सामान्य आरक्षण खुलने के पहले 15 मिनट के दौरान आरक्षित सामान्य टिकट, केवल आधार-प्रमाणित उपयोगकर्ता ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट ऐप के जरिए बुक कर सकेंगे।

हालांकि, मौजूदा वक्त में भारतीय रेल के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों के जरिए, सामान्य आरक्षित टिकटों की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। सामान्य आरक्षण खुलने के 10 मिनट के प्रतिबंध के समय में भी कोई बदलाव नहीं होगा, जिसके दौरान



भारतीय रेल के अधिकृत टिकट एजेंटों को पहले दिन आरक्षित टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी।

डीआरडीओ द्वारा रेल आधारित मोबाइल लांचर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण

डीआरडीओ ने सामरिक बल कमान (एसएफसी) के सहयोग से दिनांक 24 सितंबर, 2025 को पूर्ण परिचालन परिदृश्य के अंतर्गत रेल आधारित मोबाइल लांचर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है। 2,000 कि.मी. दूरी तक मार करने के लिए डिजाइन की गई अगली पीढ़ी की यह मिसाइल विभिन्न उन्नत सुविधाओं से लैस है।

अपनी तरह के इस पहले प्रक्षेपण को विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से अंजाम दिया गया और यह रेल नेटवर्क से बिना किसी बाधा के प्रक्षेपित की जा सकती है। यह मिसाइल देश भर में गतिशीलता प्रदान करने के साथ-साथ कम दृश्यता कम प्रतिक्रिया समय में भी प्रक्षेपण करने की क्षमता रखती है। यह आत्मनिर्भर है और अत्याधुनिक संचार प्रणालियों और संरक्षा तंत्रों सहित सभी स्वतंत्र प्रक्षेपण क्षमता सुविधाओं से सुसज्जित है।

मिसाइल के प्रक्षेप पथ की विभिन्न ग्राउंड स्टेशनों से निगरानी की गई और इस प्रक्षेपण ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। इस सफल प्रक्षेपण से भविष्य में रेल आधारित प्रणालियों को सेवाओं में शामिल करना संभव होगा। इस अवसर पर डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और सामरिक बल कमान के अधिकारी भी उपस्थित थे। सड़क मोबाइल अग्नि-पी को सफल उड़ान परीक्षणों की एक शृंखला के बाद पहले ही सेवा में शामिल कर लिया गया है।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, एसएफसी और सशस्त्र बलों को बधाई देते हुए दी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष ने इस उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागी दलों की सराहना की है।



दिनांक 14 सितंबर, 2025 को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार द्वारा पटना-मोकामा-राजेंद्र ब्रिज रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। अध्यक्ष ने जरूरी दिशा निर्देश दिए

बिहार में नवादा-पावापुरी 25 कि.मी. नई रेल लाइन को मिली मंजूरी

इस नई रेल लाइन परियोजना से जैन सर्किट में धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई दिशा



बिहार में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए नवादा और पावापुरी को जोड़ने वाली नई रेल परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। यह रेल लाइन 25.10 कि.मी. लंबी होगी और इसके निर्माण पर लगभग 492.14 करोड़ की लागत आएगी। यह प्रस्ताव भारतीय रेल द्वारा नई रेल लाइनों के निर्माण हेतु निर्धारित अम्ब्रेला वर्क्स 2024-25 के अंतर्गत रखा गया था।

इस नई रेल लाइन से नवादा को पावापुरी तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। पावापुरी एक प्रमुख जैन तीर्थ स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इस परियोजना के पूरा होने से पावापुरी की कनेक्टिविटी सड़क मार्ग के साथ-साथ रेल मार्ग से भी संभव होगी, जिससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा और पारसनाथ व जल मंदिर की यात्रा भी सुविधाजनक होगी।

नवादा–पावापुरी नई रेल लाइन परियोजना से जैन सर्किट में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। राजगीर और बिहार शरीफ से जुड़ाव और अधिक मजबूत होगा तथा नवादा–नालंदा–राजगीर क्षेत्र में यात्रा का समय कम हो जाएगा। पर्यटन के अलावा यह रेल लाइन सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नवादा क्षेत्र को नालंदा और प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही कादिरगंज के पारंपरिक रेशमी उद्योग को बड़े बाजारों तक बेहतर पहुँच मिलेगी और भागलपुर तक व्यापारिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी।

यह परियोजना नालंदा विश्वविद्यालय और बोधगया जैसे महत्त्वपूर्ण शिक्षा और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुँच को भी सरल बनाएगी। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और परियोजना के पूर्ण होने के बाद व्यापार और उद्योगों को भी लाभ पहुँचेगा। इसके अतिरिक्त यह पहल रजौली में प्रस्तावित 2000 मेगावाट परमाणु ऊर्जा संयंत्र तथा क्षेत्रीय विकास की अन्य योजनाओं को भी बल देगी।

नवादा–पावापुरी नई रेल लाइन न केवल धार्मिक महत्त्व को नया आयाम देगी, बल्कि शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और सामाजिक–आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। यह परियोजना संपूर्ण क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती देते हुए विकास की नई गाथा लिखेगी। इस परियोजना की स्वीकृति पर नवादा के सांसद विवेक ठाकुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य रेल क्रांति का अनुभव कर रहा है। इस परियोजना के पूरा हो जाने से नवादा और नालंदा जिला के लाखों लोग लाभान्वित होंगे।



भारतीय रेल ने यूपीएस के मार्गदर्शन के लिए 1,799 संगोष्ठियों का आयोजन

भारतीय रेल ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से एकीकृत पेंशन प्रणाली (यूपीएस) में एकमुश्त स्विच (बदलने) की सुविधा पर कर्मचारियों का मार्गदर्शन करने के लिए देश भर में 1,799 संगोष्ठियां आयोजित की हैं। कई क्षेत्रीय रेलवे में, दक्षिणी रेलवे 768 संगोष्ठियों के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद दक्षिण पूर्व रेलवे (135), दक्षिण पश्चिम रेलवे (99), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (91), उत्तर पश्चिम रेलवे (90), उत्तर रेलवे (88) और उत्तर मध्य रेलवे (80) का स्थान रहा। अन्य कई क्षेत्रीय रेलवे ने भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिनमें पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (70), दक्षिण मध्य रेलवे (69), पश्चिम मध्य रेलवे (72), मध्य रेलवे (40), पूर्व रेलवे (40) और पश्चिम रेलवे (41) शामिल हैं। पूर्वी तट रेलवे (27), पूर्व मध्य रेलवे (9) और पूर्वोत्तर रेलवे (16) में कम लेकिन प्रभावशाली संख्या दर्ज की गई।

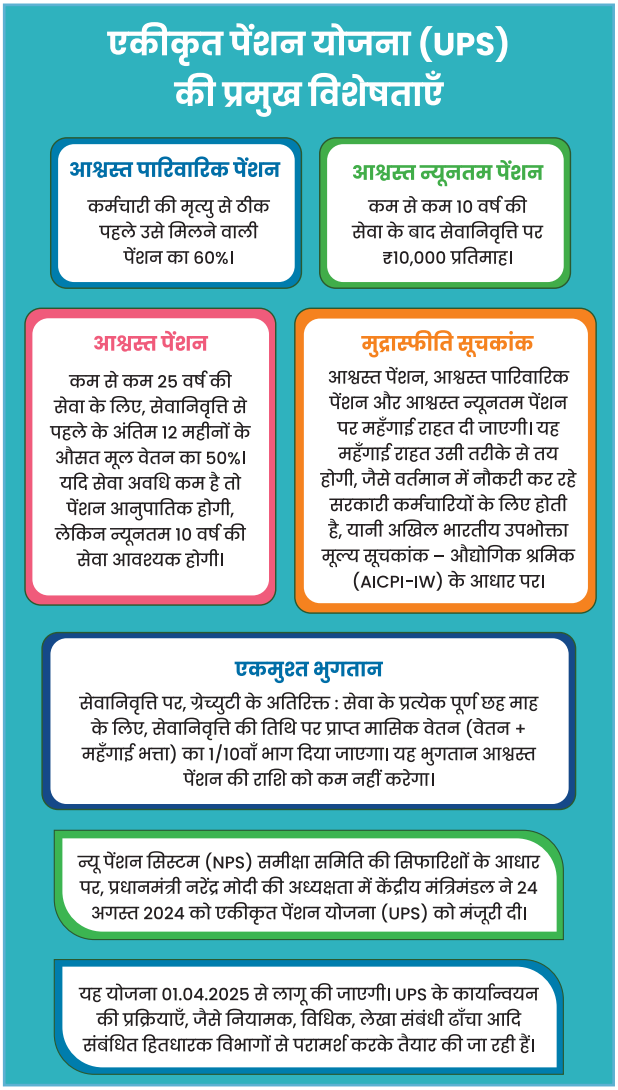
उत्पादन इकाइयों और प्रशिक्षण संस्थानों ने भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (5 सेमिनार), रेल कोच फैक्ट्री (6), मॉडर्न कोच फैक्ट्री (6), इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (17), रेल व्हील फैक्ट्री (20), बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (5) और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (4) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल विद्युत अभियांत्रिकी संस्थान जैसे विशिष्ट प्रशिक्षण संस्थानों ने कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए संगोष्ठी आयोजित की।

उल्लेखनीय है कि पात्र केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या एफ. सं. एफएक्स-1/3/2024-पीआर दिनांक 24 जनवरी, 2025 के माध्यम से अधिसूचित किया गया था।

वित्त सेवा विभाग ने दिनांक 25 अगस्त, 2025 को कार्यालय ज्ञापन संख्या 1/3/2024-पीआर जारी किया है, जिसमें यूपीएस का विकल्प चुनने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए निर्दिष्ट शर्तों के अधीन एनपीएस में वापस लौटने हेतु एकमुश्त, एकतरफा स्विच सुविधा शुरू की गई है।

एकमुश्त स्विच सुविधा के नियम

- यूपीएस के अंतर्गत पात्र कर्मचारी केवल एक बार एनपीएस में स्विच कर सकते हैं तथा वापस यूपीएस में स्विच नहीं कर सकते।
- स्विच का प्रयोग सेवानिवृत्ति से कम से कम एक वर्ष पूर्व या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से तीन महीने पूर्व किया जाना चाहिए, जो भी लागू हो।



- दंड स्वरूप हटाए जाने, बर्खास्त किए जाने या अनिवार्य सेवानिवृत्ति के मामले में जहाँ अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही हो या विचाराधीन हो, स्विच सुविधा की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- जो लोग तय समय के भीतर 'स्विच' सुविधा का विकल्प नहीं चुनते हैं, वे डिफॉल्ट रूप से यूपीएस के अंतर्गत ही बने रहेंगे।

जो कर्मचारी एनपीएस में बने रहना चाहते हैं, वे दिनांक 30 नवंबर, 2025 के बाद यूपीएस का विकल्प नहीं चुन सकते। इस पहल का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद की वित्त संरक्षा की योजना बनाने में सूचित विकल्प प्रदान करना है। यूपीएस चुनकर, कर्मचारी बाद में एनपीएस में जाने का विकल्प चुन सकते हैं।

श्रमेव जयते

त्योहारों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का रेल कर्मयोगियों को शानदार उपहार



केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रेल कर्मचारियों के लिए **प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस को मंजूरी**

- लगभग **10.91 लाख** गैर-राजपत्रित रेल कर्मचारी लाभान्वित
- **1865.68 करोड़** का अतिरिक्त खर्च
- कर्मचारियों के बेहतर प्रदर्शन को मिला प्रोत्साहन

गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को 78 दिनों का बोनस

- लोको पायलट
- ट्रेन मैनेजर
- स्टेशन मास्टर
- पर्यवेक्षक
- टेक्नीशियन
- टेक्नीशियन हेल्पर
- प्वाइंट्समैन
- ट्रैक मेंटेनर
- मिनिस्ट्रियल स्टाफ
- अन्य ग्रुप 'सी' स्टाफ

प्रोत्साहन से रेल कर्मचारियों को और बेहतर प्रदर्शन करने की मिलेगी प्रेरणा

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रेलवे के शानदार प्रदर्शन को मिला सम्मान

- रेलवे द्वारा रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन कार्गो की ढुलाई की गई
- लगभग 7.3 बिलियन यात्रियों ने भारतीय रेल से किया सफर

दिल्ली-कोलकाता पहली कंटेनर ट्रेन सेवा शुरू

आगरा, कानपुर होते हुए 120 घंटे में तुगलकाबाद से शालीमार पहुँचेगी



कॉनकॉर (CONCOR) द्वारा निश्चित ट्रांजिट समय के साथ दिनांक 1 अक्टूबर, 2025 से पायलट आधार पर विशेष कंटेनर ट्रेन सेवा की शुरुआत

भारतीय रेल दिल्ली और कोलकाता के बीच पायलट रन के आधार पर दिनांक 1 अक्टूबर, 2025 को पहली सुनिश्चित ट्रांजिट समय वाली कंटेनर ट्रेन सेवा की शुरुआत हो गई है। यह दिल्ली के आईसीडी तुगलकाबाद टर्मिनल (TICD) से चलकर, आगरा और कानपुर टर्मिनल होते हुए, कोलकाता के सीटीसीएस (CTCS) तक पहुँचेगी। इस विशेष सेवा का लक्ष्य 120 घंटे में माल की डिलीवरी सुनिश्चित करना है, जो लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी, हर बुधवार और शनिवार। इस सेवा की विशेषता आगरा और कानपुर में 'हब-एंड-स्पोक' कार्गो सुविधा है, जिससे विस्तृत क्षेत्र से माल को एकत्र करने में आसानी होगी। साथ ही, तुगलकाबाद से कानपुर तक खाली वैगनों के ढुलाई शुल्क माफ किए जाएंगे, जिससे ग्राहकों को लागत में अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

इस पायलट परियोजना से ग्राहकों को कई लाभ मिलने की उम्मीद है। यह नई कंटेनर ट्रेन सेवा ग्राहकों को समय पर भरोसेमंद डिलीवरी, सड़क मार्ग के मुकाबले बेहतर विकल्प, उत्तर भारत के दूर-दराज क्षेत्रों से माल पहुँचाने में सुविधा और शुरुआती उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष लाभ प्रदान करती है। इसके अलावा, यह पहल स्थिरता को बढ़ावा देती है, क्योंकि यह सड़क से रेल की और परिवहन के बदलाव को प्रोत्साहित करती है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करती है और भारत की हरित लॉजिस्टिक्स प्रतिबद्धता का समर्थन करती है। इस पहल के माध्यम से भारतीय रेल और कॉनकॉर अपने ग्राहक-केंद्रित, भरोसेमंद और स्थायी लॉजिस्टिक्स समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने की प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट करते हैं। सुनिश्चित ट्रांजिट ट्रेन सेवा की यह शुरुआत एक अधिक कुशल और पर्यावरण-हितैषी आपूर्ति शृंखला तंत्र की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम को दर्शाती है।

कंटेनर ट्रेन से जुड़ी कुछ मुख्य बातें-

- दिल्ली–कोलकाता मार्ग पर पहली सुनिश्चित ट्रांजिट टाइम ट्रेन।
- ट्रांजिट टाइम की गारंटी : तुगलकाबाद (दिल्ली) से कोलकाता तक 120 घंटे।
- ट्रेन का मार्ग : TICD (दिल्ली)-ICDY (आगरा)-ICDG (कानपुर)-CTKR/CTCS (कोलकाता)
- संचालन आवृत्ति : सप्ताह में दो बार, हर बुधवार और शनिवार को प्रस्थान।
- डोर-टू-डोर सेवा : कॉनकॉर द्वारा तेज, भरोसेमंद और स्थायी सेवा।

भारतीय रेल की समयबद्ध कार्गो सेवाओं ने माल परिवहन को दी रफ्तार



भारतीय रेल ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांजिट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है।

नई सेवाएँ

अन्नपूर्णा सेवा

लुधियाना से वाराणसी तक, 704 कि.मी., खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन।

गति-वाहन सेवा

फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 कि.मी., ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे।

निर्यात कार्गो सेवा

गढ़ी से मुंद्रा पोर्ट तक, 1061 कि.मी., कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन।

अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा

रूपनगर से अनंतनाग, 586 कि.मी., सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन।

इन सेवाओं की योजना बनाने में एफसीआई, ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी क्षेत्रीय रेलवे सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं।

ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। एफसीआई ने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांजिट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुंद्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए।

समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी माल भेजने और प्राप्त करने वाले दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं। भारतीय रेल उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कश्मीर के किसानों के लिए खुशखबरी : ट्रेनों से कश्मीरी सेब की पहली खेप पहुँची दिल्ली



कश्मीर घाटी के फल उत्पादकों की अपनी उपज दिल्ली के प्रमुख बाजारों तक भेजने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने सकारात्मक कदम उठाया है।

भारतीय रेल ने दिनांक 11 सितंबर, 2025 को सेबों के परिवहन के लिए दो पार्सल वैन (एलवीपीएच कोच) उपलब्ध कराए हैं। इन पार्सल वैन में सेब लोडिंग की गई और प्रत्येक वैन 23 मीट्रिक टन सेब ले जा सकेगी। मांग बढ़ने पर भारतीय रेल अतिरिक्त पार्सल वैन उपलब्ध कराएगी।

भारतीय रेल सेब के मुख्य सीजन की शुरुआत के साथ ही 13 सितंबर से बड़गाम और आदर्श नगर के बीच एक दैनिक समय-सारिणी वाली पार्सल ट्रेन शुरू किया। यह ट्रेन व्यक्तिगत व्यापारियों और फल उत्पादकों को पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन एक पार्सल वैन बुक करने की सुविधा प्रदान करेगी।

आदर्श नगर रेलवे स्टेशन (एएनडीआई)-बीबीएमएन-बड़गाम रेलवे स्टेशन (बीडीजीएम) के बीच 8 पार्सल वैन (वीपी) दैनिक



समय-सारिणी वाली संयुक्त पार्सल उत्पाद-रैपिड कार्गो सेवा पार्सल ट्रेन के लिए अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। यह 8 वीपी ट्रेन बीडीजीएम से सुबह 6:15 बजे शुरू होगी और अगले दिन सुबह 5:00 बजे एएनडीआई पहुँचेगी, जो सुबह-सुबह दिल्ली के बाजार में सेब पहुँचने के लिए एक बहुत ही उपयुक्त समय है।

भारतीय रेल मध्यवर्ती स्टेशनों पर पार्सल वैन जोड़ने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। अगर आगे भी मांग आती है तो रेलवे ऐसी और ट्रेनें चलाने के लिए तैयार है। 9 अगस्त को, सीमेंट के 21 वैगनों वाली पहली मालगाड़ी पंजाब से कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची, जो इस क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। इससे कश्मीर में इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी आएगी और घाटी में रहने वाले नागरिकों के लिए लागत कम होगी। यह क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक पर अब मालगाड़ी सेवा चालू है, जिसका उद्घाटन इस साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। यह रेल लिंक कटरा और श्रीनगर के बीच दो वंदे भारत ट्रेनों का भी संचालन करता है, दोनों में 100 प्रतिशत से अधिक यात्री सवार होते हैं। ये ट्रेनें यात्रियों को सुलभ, किफायती और आरामदायक यात्रा प्रदान करती हैं और साथ ही रेलवे परिवहन को एक नई ऊँचाई तक ले जाती हैं।

भारतीय रेल
पत्रिका

अब
सोविनियर शॉप
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

'सुगमरेल' तथा 'रेल-अर्थ' ऐप लॉन्च

मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया उद्घाटन

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने हाल ही में असेट मैनेजमेंट के लिए दो डिजिटल ऐप्लिकेशन सुगमरेल और रेल-अर्थ का उद्घाटन किया।

इन अनुप्रयोगों को विद्युत विभाग द्वारा आंतरिक रूप से विकसित और लॉन्च किया गया है। यह मध्य रेल के प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर अनूप कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में परिचालन के आधुनिकीकरण के लिए मध्य रेल के प्रयास का एक हिस्सा है। ये ऐप्लिकेशन पारंपरिक, पेपर-आधारित प्रक्रियाओं की जगह असेट मैनेजमेंट के लिए एक केंद्रीकृत, डेटा-संचालित दृष्टिकोण अपनाएँगे, जिससे रेलवे नेटवर्क में संरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस अवसर पर प्रतीक गोस्वामी, अपर महाप्रबंधक, अनूप कुमार अग्रवाल, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, प्रमुख विभागाध्यक्ष और मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त विवरण-सुगमरेल और रेल अर्थ

सुगमरेल : लिफ्ट और एस्केलेटरों के लिए

सुगमरेल एक व्यापक असेट मैनेजमेंट प्रणाली है, जिसे एस्केलेटर और लिफ्टों के रखरखाव और विफलता विश्लेषण के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह से पेपर रहित है, जो रखरखाव अनुसूचियों और निरीक्षण रिपोर्टों का डिजिटलीकरण करता है।

- **सक्रिय रखरखाव** : यह प्रणाली बार-बार होने वाली विफलताओं और रखरखाव की नियत तिथियों के चूक जाने पर अलर्ट भेजती है, जिससे समय पर ध्यान और हाई कम्प्लायान्स (उच्च अनुपालन) सुनिश्चित होता है।
- **प्रदर्शन अंतर्दृष्टि :** यह विस्तृत, असेट-वाइज कॉज-वाइज विफलता विश्लेषण प्रदान करता है। विफलताओं के बीच औसत समय (MTBF) और रखरखाव अनुपालन दर जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI) का उपयोग असेट की विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए किया जाता है।
- **केंद्रीकृत निगरानी :** एक भूमिका-आधारित अभिगम नियंत्रण प्रणाली, डिपो से लेकर मुख्यालय तक, सभी स्तरों पर असेट की स्थिति (महत्त्वपूर्ण, ध्यान देने योग्य, स्वस्थ) की वास्तविक समय निगरानी की अनुमति देती है।

सुगमरेल ऐप की विशेषताएँ

- **बेहतर यात्री अनुभव :** सुगमरेल एस्केलेटर और लिफ्टों का सुचारू और निरंतर संचालन सुनिश्चित करता है,



जिससे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को सुविधाजनक और परेशानी मुक्त अनुभव मिलता है।

- **कम खराबी :** सुगमरेल के माध्यम से नियमित निगरानी संभावित समस्याओं की पहचान करने, खराबी की संभावना को कम करने और समय पर रखरखाव सुनिश्चित करने में मदद करती है।
- **त्वरित समस्या निवारण :** सुगमरेल एस्केलेटर और लिफ्टों के खराब होने पर त्वरित समस्या निवारण और मरम्मत करता है, जिससे यात्रियों का डाउनटाइम और असुविधा कम होती है।
- **बेहतर रखरखाव :** यह ऐप सक्रिय रखरखाव को बनाता है, जिससे निर्धारित मरम्मत संभव हो पाती है और अप्रत्याशित खराबी का जोखिम कम होता है।
- **यात्रियों तक आसान पहुँच :** एस्केलेटर और लिफ्टों का विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित करके, सुगमरेल सभी यात्रियों, विशेषकर गतिशीलता संबंधी चुनौतियों वाले यात्रियों के लिए पहुँच और समावेशिता को बढ़ावा देता है।
- कुल मिलाकर, सुगमरेल एक अधिक कुशल, विश्वसनीय और यात्री-अनुकूल रेलवे प्रणाली में योगदान देता है।



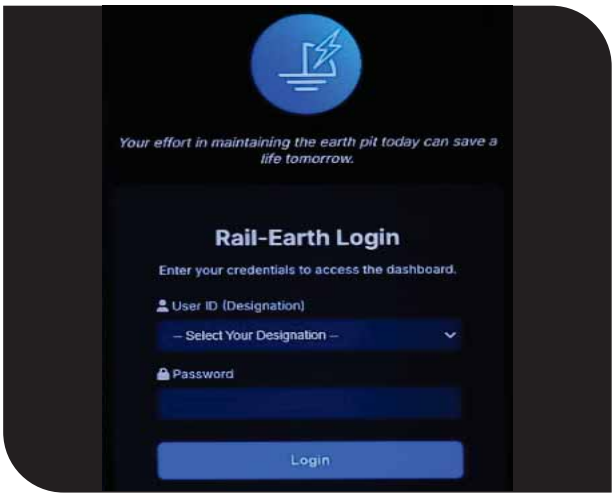
रेल-अर्थ : विद्युत अर्थिंग पिट्स के लिए

रेल-अर्थ रेलवे के विद्युत अर्थिंग पिट्स के प्रबंधन को मैन्युअल से केंद्रीकृत, डेटा-परिचालित संचालन में बदल देता है। प्रत्येक पिट्स को एक विशिष्ट क्रमांक दिया जाता है, जिससे कर्मचारियों को स्थान, जुड़ी हुई असेट और निरीक्षण इतिहास सहित जानकारी तक आसान पहुँच मिलती है।

- **संरक्षा अलर्ट :** यह ऐप अनहेल्दी पिट्स (प्रतिरोध 5), अतिदेय निरीक्षणों और कभी जाँच न किए गए पिट्स के लिए तत्काल अलर्ट प्रदान करता है।
- **सुव्यवस्थित रिपोर्टिंग :** यह अनिवार्य प्री-मानसून अनुपालन (कम्पलायेंस) रिपोर्ट सहित कुशल योजना और रिपोर्टिंग की सुविधा प्रदान करता है, जिससे समय पर संरक्षा जाँच सुनिश्चित होती है।
- **बढ़ी हुई जवाबदेही :** यह डिजिटल प्लेटफॉर्म संरक्षा के प्रति अधिक जवाबदेही और सक्रिय दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

रेल अर्थ से अर्थिंग के कई लाभ

- **बढ़ी हुई संरक्षा :** रेल अर्थिंग जनता और कर्मचारियों को बिजली के झटके लगने के जोखिम को समाप्त करती है, जिससे एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित होता है।
- **जोखिम में कमी :** उचित अर्थिंग कनेक्शन विद्युत दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करते हैं और लोगों को संभावित नुकसान से बचाते हैं।
- **विद्युत प्रणालियों की संरक्षा :** रेल अर्थिंग विद्युत प्रणालियों और उपकरणों को होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करती है, जिससे डाउनटाइम और रखरखाव लागत कम होती है।



- **संरक्षा मानकों का अनुपालन :** रेल अर्थिंग को लागू करने से विद्युत संरक्षा मानकों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित होता है, जिससे संगठन के भीतर संरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।
- **विद्युत झटकों की रोकथाम :** रेल अर्थिंग विद्युत धाराओं को जमीन तक पहुँचने के लिए एक सुरक्षित मार्ग प्रदान करती है, जिससे बिजली के झटकों से बचाव होता है और व्यक्ति की संरक्षा सुनिश्चित होती है।

रेल अर्थिंग को प्राथमिकता देकर, संगठन एक सुरक्षित और विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना सुनिश्चित कर सकते हैं, जिससे लोगों और उपकरणों दोनों की संरक्षा होती है।

सुगमरेल और रेल-अर्थ, दोनों ही मध्य रेल के लिए परिचालन उत्कृष्टता, संरक्षा और विद्युत सामान्य असेट्स के रखरखाव हेतु अधिक विश्वसनीय यात्रा सुनिश्चित करने हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं।



***महिला सशक्तिकरण** : एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव अपनी 36 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा देने के बाद दिनांक 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हुईं। इस अवसर पर उन्हें उत्साहपूर्वक विदा किया गया। अनेक बाधाओं को तोड़ते हुए वह अनगिनत महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं। भारतीय रेल में उनकी जीवन यात्रा महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बनी रहेगी।*

खेल, संस्कृति और रेल विकास कार्यों में मध्य रेल की उपलब्धियाँ



मध्य रेल ने एक बार फिर खेल और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और प्रमुख रेलवे मापदंडों में प्रदर्शन के उच्चतम मानकों को बनाए रखा।

इस बहुमुखी उत्कृष्टता को तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से मान्यता मिली है– समग्र दक्षता के लिए पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय रेलवे के लिए कौल गोल्ड कप और हाल ही में शामिल अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता का सम्मान इन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करके, मध्य रेल ने सदियों पुरानी मान्यताओं को तोड़ा है और यह सिद्ध किया है कि बेहतरीन योजना, प्रतिभा विकास और कार्यान्वयन विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ओर ले जा सकते हैं।

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने तीनों पुरस्कार– भारतीय रेल–सांस्कृतिक प्रतियोगिता शील्ड, समग्र दक्षता के लिए पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, तथा खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र के लिए कौल गोल्ड कप को गर्व से प्रदर्शित किया।

सभी क्षेत्रीय रेलवे (पूर्वोत्तर रेलवे के साथ संयुक्त रूप से) में समग्र दक्षता के लिए प्रदान की जाने वाली पंडित गोविंद बल्लभ पंत शील्ड, धर्मवीर मीना ने दिनांक 21 दिसंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्राप्त की। इसने यातायात परिचालन, निर्माण और अन्य प्रमुख दक्षताओं में मध्य रेल के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता दी।

कई खेल विधाओं में उपलब्धियों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय रेलवे को प्रदान किया जाने वाला कौल गोल्ड कप, मध्य रेल ने अपने खिलाड़ियों के सतत प्रयास से हासिल किया, जिन्होंने सभी क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया।

उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के अलावा, मध्य रेल ने पहली बार आईआरसीसी रनिंग कल्चरल कॉम्पिटिशन शील्ड जीती और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में आयोजित अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समग्र विजेता बनकर उभरा। यह ऐतिहासिक जीत सभी मंडलों और कारखानों में मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों की उत्कृष्ट प्रतिभा को उजागर करती है, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शन किया और महाप्रबंधक मध्य रेल धर्मवीर मीना और प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद मालखेड़े के कुशल नेतृत्व वाले अधिकारियों द्वारा उनके निरंतर पोषण और प्रोत्साहन को दर्शाया।

केंद्रीय चिकित्सालय में लिफ्ट एवं एनेस्थेसिया मशीन का उद्घाटन

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन चेतना जोशी ने दिनांक 15 अगस्त, 2025 को केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे. एस. लाकरा एवं प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. हिमांशु मंडल सहित उत्तर मध्य रेलवे सभी विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज, सभी मंडलीय स्तरीय के अधिकारी आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा एक नई नवनिर्मित लिफ्ट का उद्घाटन किया गया एवं जोशी ने शल्य चिकित्सा कक्ष में भी एक नई एनेस्थेसिया मशीन वर्क स्टेशन का भी उद्घाटन व शुभारम्भ किया। इस मशीन से ऑपरेशन थियेटर में ऑपरेशन करने में बहुत सहायता मिलेगी।



'नेचर, हेरिटेज, स्पिरिचुअलिटी एंड बियोंड-द एनसीआर सागा' एवं 'अमृत पथ गामिनी' का विमोचन



उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित दिनांक 26 अगस्त, 2025 को एक कार्यक्रम में महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी ने ई-कॉफी टेबल बुक 'नेचर, हेरिटेज, स्पिरिचुअलिटी एंड बियोंड-द एनसीआर सागा' का विमोचन किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे. एस. लाकरा, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष और जनसंपर्क विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। यह ई-बुक उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक उत्तर मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे द्वारा सेवित तीन प्रमुख राज्यों- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न पर्यटन स्थलों का व्यापक विवरण प्रदान करती है। इस ई-बुक के माध्यम से उत्तर मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे ऐतिहासिक, इंजीनियरिंग के अदभुत नमूनों, धार्मिक एवं सास्कृतिक स्थल और इसके अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की संस्कृति को दर्शाया गया है। यह भारत की 'समृद्ध सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत और विविधतापूर्ण परिदृश्य' का एक प्रस्तुतीकरण है। यह क्षेत्रीय रेलवे के 'महत्त्व और प्राकृतिक सुंदरता' पर भी बल देती है। इन स्थानों के विषय में रेलवे खंडों के अनुसार प्रमुख स्टेशनों और विशिष्ट पर्यटक स्थल तक सेवा प्रदान करने वाली ट्रेनों की जानकारी के साथ विस्तृत रूप से प्रदर्शित किया गया है।

विमोचन कार्यक्रम के दौरान, उपेंद्र चंद्र जोशी ने क्षेत्रीय रेलवे के जनसंपर्क विभाग के प्रयासों की सराहना की। पुस्तक में 9 अध्याय हैं, जो खंड-वार स्थानों को कवर करते हैं- प्रयागराज से पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज से गाजियाबाद, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से बीना, प्रयागराज से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन से मथुरा जंक्शन, कानपुर सेंट्रल से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर से इटावा और आगरा से इटावा, आगरा-बांदीकुई और मथुरा-अलवर। प्रत्येक अध्याय में कुछ लोकप्रिय और कुछ बहुत कम ज्ञात गंतव्य हैं, जो घूमने लायक हैं।

पुस्तक के बारे में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने कहा, "यह ई-कॉफी टेबल बुक महत्त्वपूर्ण होने के साथ ही उन सभी पर्यटन स्थलों की झलक भी दिखाती है, जो पर्यटकों के मध्य कम ज्ञात हैं। यह पुस्तक पर्यटकों को इन विरासत स्थलों की यात्रा करने और हमारे देश की सांस्कृतिक समृद्धि को सीधे अनुभव करने के लिए प्रेरित करेगी।

महाकुंभ 2025 : 'अमृत पथ गामिनी' ई-पुस्तक और डॉक्यूमेंट्री का विमोचन

प्रयागराज महाकुंभ 2025 में रेलवे की ऐतिहासिक भूमिका को शब्द और चित्रों में समेटते हुए ई-कॉफी टेबल पुस्तक 'अमृत पथ गामिनी' हिंदी संस्करण और महाकुंभ-2025 पर बनी विशेष डॉक्यूमेंट्री बनाई गई है। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में औपचारिक विमोचन महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे.एस. लाकरा, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह हिंदी ई-पुस्तक महाकुंभ 2025 में रेलवे द्वारा किए गए कार्यों का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत करती है- स्टेशनों के उन्नयन से लेकर भीड़ प्रबंधन तक, हजारों विशेष ट्रेनों के संचालन से लेकर यात्रियों की सुविधा व संरक्षा तक। पुस्तक में रेलकर्मियों के अथक परिश्रम और समर्पण को अध्यायवार विस्तार से दर्शाया गया है। साथ ही प्रदर्शित डॉक्यूमेंट्री महाकुंभ के विशाल आयोजन में किस तरह भारतीय रेल, विशेषकर उत्तर मध्य रेलवे ने, सेवा और समर्पण की भावना के साथ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम को सफल बनाने में दिन-रात योगदान दिया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा, "महाकुंभ 2025 हमारे लिए केवल संचालन की चुनौती नहीं थी, बल्कि यह हमारी पूरी टीम के साहस, समन्वय और सेवा भावना की परीक्षा थी। यह पुस्तक और डॉक्यूमेंट्री उसी अमिट प्रयास की गवाही हैं।" उन्होंने इस परियोजना को वास्तविकता में बदलने के लिए जनसंपर्क विभाग के प्रयासों की सराहना की।

उत्तर रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा पंजाब बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में भेजी गई राहत सामग्री



दिनांक 16 सितंबर, 2025 को सामुदायिक भावना का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाते हुए उत्तर रेलवे स्काउट्स-गाइड्स के द्वारा बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के लिए राहत सामग्री भेजी गई। दो ट्रैक्टर ट्रॉली और एक ट्रक से भेजी गई राहत सामग्री में तिरपाल, मच्छरदानी, सोलर लाइट, सैनिटरी पैड, एंटी फंगल क्रीम, नहाने और कपड़े धोने का साबुन तथा सर्फ, कपड़े, गद्दे, कंबल, गेहूं, चावल और तेल, चादरें इत्यादि शामिल हैं। उक्त सामान मुरादाबाद मंडल, रेल कोच फैक्टरी कपूरथला व अम्बाला जिले के स्काउट्स-गाइड्स व महिला कल्याण संगठन उत्तर रेलवे मुरादाबाद व अम्बाला के सहयोग से एकत्रित किया गया। सामान को मधुमिता मिश्र अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

दक्षिण अफ्रिका के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल का बरेका दौरा

दक्षिण अफ्रिका के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने मेसर्स सिको अफ्रिका इनर्जी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर, दक्षिण अफ्रिका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवप्रगसेन नायडू के नेतृत्व में बरेका में लोको निर्माण की सुविधाओं एवं क्षमताओं का जायजा लेने के लिए दिनांक 1 सितंबर, 2025 को बनारस रेल इंजन कारखाना का दौरा किया। मंडल के बरेका आगमन का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेल में सेवारत 3100 अश्व शक्ति ब्रॉड गेज अल्को लोकोमोटिव को केप गेज में परिवर्तन के उपरांत खरीदना है। जिसके लिए प्रतिनिधि मंडल ने लोको की तकनीकी जानकारी ली, बरेका की उत्पादन एवं डिजाइन क्षमताओं को देखा।



आईआईटी कानपुर तथा मझगाँव डॉक्स लिमिटेड की टीम का बरेका दौरा



आईआईटी कानपुर तथा मझगाँव डॉक्स लिमिटेड की टीम ने दिनांक 12 सितंबर, 2025 को बरेका का दौरा किया। कारखाना भ्रमण के दौरान उन्होंने बरेका में उपलब्ध मशीनरी और प्लांट को देखा तथा मशीनरी की क्षमताओं के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त की। कारखाना भ्रमण के उपरांत बरेका के कीर्ति कक्ष में प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, विवेक शील की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पीपीटी के माध्यम से मुख्य रूप से विश्व में उपलब्ध हाइड्रोजन इंजन और मिथेनाल इंजन रेलवे के लिए डीजल इंजन से हाइड्रोजन इंजन/मिथेनॉल इंजन बदलने एवं नए हाइड्रोजन इंजन को विकसित करने की संभावनाओं पर विस्तृत तकनीकी चर्चा की गई। सभी टीमों ने आपस में मिलकर हाइड्रोजन इंजन विकसित करने की इच्छा और विश्वास जताया। इस प्रेजेंटेशन में आईआईटी कानपुर टीम से अनिरुद्ध गौतम, मझगाँव डॉक्स लिमिटेड की टीम से अमित नावीरा तथा बरेका के मुख्य गुणवत्ता आश्वासन प्रबंधक एस.बी. पटेल, मुख्य अभिकल्प इंजीनियर/डीजल प्रवीण कुमार तथा मुख्य यांत्रिक इंजीनियर नीरज जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण सम्मिलित हुए।

मिजोरम की पहली राजधानी एक्सप्रेस ने रचा नया कीर्तिमान

- **पूर्वोत्तर में खुशहाली की कहानी लिख रही है भारतीय रेल**
- **व्यापार, रोजगार और बाजार के नए अवसर से बदला जीवन**

भारतीय रेल ने पूर्वोत्तर के लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव की कहानी लिखकर उनके दिलों में अपनी नई जगह बना ली है। मिजोरम की बइरबी-सायरंग नई रेल लाइन और नागालैंड के मोल्वोम से मालगाड़ी का परिचालन शुरू होने से यात्री और माल ढुलाई सेवाओं की बेहतर कनेक्टिविटी मिली है। इन लाइनों पर ट्रेनों के आवागमन से कुछ ही हफ्तों में इसका असर दिखने लगा है। ट्रेनें पूरी तरह से भरकर चल रही हैं और माल ढुलाई भी जोरों पर हो रही है। इससे स्थानीय लोगों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल गए हैं।

दिनांक 13 सितंबर, 2025 को सायरंग से यात्री ट्रेन सेवाओं की शुरुआत हुई। इससे यात्रियों में बेहद उत्साह देखा गया। (ट्रेन संख्या 20507) सायरंग-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों ने 162.5% की ऑक्यूपेंसी दर्ज कराई, जबकि वापसी में (ट्रेन संख्या 20508) आनंद विहार टर्मिनल-सायरंग राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों की ऑक्यूपेंसी 158.3% रही। गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन में भी यात्रा करने में यात्रियों ने बेहद रुचि दिखाई। (ट्रेन संख्या 15609) गुवाहाटी-सायरंग एक्सप्रेस ने 100.1% ऑक्यूपेंसी दर्ज की, जिसमें स्लीपर क्लास पूरी तरह बुक रहा। वहीं वापसी में (ट्रेन संख्या 15610) सायरंग-गुवाहाटी राजधानी एक्सप्रेस में भी यात्रियों की लगभग 100% ऑक्यूपेंसी रही।

इसके साथ ही कोलकाता जाने वाली ट्रेनें भरकर चलीं। (ट्रेन संख्या 13126) सायरंग-कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस ने लगभग 100% ऑक्यूपेंसी दर्ज कराई, जबकि वापसी में कोलकाता-सायरंग राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13125) ने 144.8% ऑक्यूपेंसी दर्ज की, जिसमें स्लीपर क्लास की ऑक्यूपेंसी लगभग 144% रही। इससे यह स्पष्ट होता है कि मिजोरम से आने-जाने के लिए रेल कनेक्टिविटी की कितनी आवश्यकता थी।



सायरंग-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस



सायरंग से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) पहुँची सजावटी फूल एंथूरियम की पहली खेप

वहीं दिनांक 30 सितंबर, 2025 तक सायरंग रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी की कुल आठ रैक उतारी गई। पहली रैक 14 सितंबर को पहुँची, जिसमें गुवाहाटी के पास टेटेलिया स्थित स्टार सीमेंट साइडिंग से 21 डिब्बे सीमेंट की लदान की गई थी। इसके बाद तीन रैक गिट्टी (पत्थर), एक रैक ऑटोमोबाइल, एक रैक आरएमसी और एक रैक रेत बइरबी से पहुँची।

सायरंग से पहली पार्सल बुकिंग दिनांक 19 सितंबर, 2025 को हुई। उस दिन सायरंग-आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के पार्सल वैन से सजावटी फूल एंथूरियम भेजे गए।

सितंबर, 2025 में नागालैंड के मोल्वोम स्टेशन से भी मालगाड़ी का पहला परिचालन हुआ। पहली बार 24 सितंबर, 2025 को 41 डिब्बों वाली सीमेंट से लदी रैक तेलंगाना से मोल्वोम स्टेशन पर पहुँची। इसके बाद 29 सितंबर को पहली आउटवर्ड रैक चलाई गई, जिसमें 42 डिब्बों में गिट्टी (पत्थर) लदी थी, जिसे मोल्वोम से जिरानिया भेजा गया।

यात्री और मालगाड़ी सेवाओं की बढ़ती मांग यह दर्शाती है कि पूर्वोत्तर में रेल कनेक्टिविटी किस तरह लोगों के जीवन को बदल रही है। सुविधा से आगे बढ़कर ये नई रेल कनेक्टिविटी आर्थिक विकास, स्थानीय उत्पादों के लिए बेहतर बाजार तक पहुँच बना रही और व्यापार व रोजगार के नए अवसर खोल रही है।

आईआरसीटीसी ने मिजोरम सरकार के साथ किया एमओयू

पूर्वोत्तर सीमा रेल के अंतर्गत बइरबी–सायरंग नई रेलवे लाइन परियोजना के दिनांक 13 सितंबर, 2025 को पूर्ण होने के साथ मिजोरम की राजधानी आइजोल पहली बार आधिकारिक तौर पर रेल नेटवर्क से जुड़ गई। कैपिटल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के तहत विकसित इस ऐतिहासिक बुनियादी ढाँचे ने मिजोरम में यात्रा और आर्थिक विकास के नए रास्ते खोल दिए हैं। आइजोल से कुछ ही दूरी पर स्थित सायरंग तक अब रेल सेवाएँ शुरू हो जाने से, पूर्वोत्तर के इस पहाड़ी राज्य तक पहुँच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार के साथ दो साल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, आईआरसीटीसी एक अग्रणी विपणन एजेंसी के रूप में कार्य करेगी, जबकि मिजोरम पर्यटन, पर्यटक आवासों सहित पर्यटन अवसंरचना तक पहुँच प्रदान करेगा और आईआरसीटीसी के साथ मिलकर क्यूरेटेड यात्रा पैकेज तैयार करेगा। यह साझेदारी स्थानीय डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियों और सेवा प्रदाताओं को विकसित करने का भी लक्ष्य रखती है, जो परिवहन, आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा और मिजोरम की जीवंत संस्कृति की विशेष झलक के साथ पर्यटन की व्यवस्था करेंगे।

इसमें उन रंग-बिरंगे उत्सवों की बुनावट शामिल है, जहाँ समुदाय भोज, बाँस नृत्य, पारंपरिक लोक संगीत और अर्थपूर्ण धार्मिक अनुष्ठानों के साथ एकत्र होते हैं। सांस्कृतिक उत्सवों के अलावा, मिजोरम पन्ना-सी हरी घाटियों, हरी-भरी पहाड़ियों, निर्मल जलप्रपातों और विरासत स्थलों से युक्त एक समृद्ध पर्यटन परिदृश्य भी प्रस्तुत करता है। राज्य ने रोमांचक पर्यटन में लगातार



लोकप्रियता हासिल की है और अपनी मेहमाननवाजी और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। ये सभी बिन्दु मिलकर मिजोरम की अपार संभावनाओं को उजागर करते हैं, एक ऐसे गंतव्य के रूप में जो सांस्कृतिक विरासत और सतत, अनुभवात्मक पर्यटन– दोनों का उत्सव मनाता है।

यह समझौता आईआरसीटीसी की 'डिस्कवर एनई बियॉन्ड गुवाहाटी' कार्यक्रम के तहत एक विशेष पर्यटक ट्रेन शुरू करने की योजना के अनुरूप भी है, जिसमें आइजोल को एक प्रमुख गंतव्य के रूप में शामिल किया गया है। यह सेवा, ट्रेनों के संचालन शुरू होने के बाद शीघ्र ही शुरू होने की उम्मीद है, जो किफायती पर्यटन और सतत यात्रा अनुभवों पर केंद्रित होगी। बेहतर रेल संपर्क और संयुक्त पर्यटन प्रचार पहल मिलकर मिजोरम को व्यापक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजारों के लिए खोलने जा रही हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए नए आर्थिक अवसर उत्पन्न होंगे और इस प्रक्रिया में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



खेल समाचार



नूपुर ने इंग्लैंड के लिवरपूल एरेना में 4 से 14 सितंबर, 2025 तक आयोजित 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक हासिल कर रेल परिवार का मान बढ़ाया।



मीनाक्षी को 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 48 कि.ग्रा. श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। भारतीय रेल उनके असाधारण प्रदर्शन पर गौरवान्वित है। उनकी यह सफलता नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

भारत ने फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराकर बिहार के राजगीर में आयोजित हीरो एशिया कप 2025 को अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। रेलवे परिवार के सदस्य अमित रोहिदास को सम्मानित किया गया।





तमिलनाडु के डिंडीगुल में 24 से 28 सितंबर, 2025 तक आयोजित 71वें सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर भारतीय रेल की बॉल बैडमिंटन टीम को हार्दिक बधाई।



इंग्लैंड के लिवरपूल में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारतीय रेल की जैस्मिन ने 57 कि.ग्रा. श्रेणी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उनका गौरव और संकल्प देशभर के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भारतीय रेल ने पहलवान अंतिम को 2025 सीनियर वर्ल्ड रेस्लिंग चैंपियनशिप, जाग्रेब, क्रोएशिया में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी। वह रेलवे परिवार की गर्वित सदस्य हैं!





सिकंदराबाद में दिनांक 20 से 24 अगस्त, 2025 तक आयोजित 72वीं अखिल भारतीय रेल महिला एवं पुरुष बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025-26 में पूर्वोत्तर रेलवे के पुरुष खिलाड़ियों दक्षिण पश्चिम रेलवे को 3-0 से पराजित कर चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस चैंपियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे की महिला खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में पश्चिम मध्य रेलवे को हराकर चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एथलीट एवं बिलासपुर रेल मंडल में टिकट कलेक्टर पदस्थ पूजा ने दिनांक 10 अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित वर्ल्ड कॉन्टिनेंटल ब्रॉन्ज एथलेटिक मीट में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पूजा को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।



ऐतिहासिक धरोहर से आधुनिकता की ओर

बिलासपुर रेलवे स्टेशन



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख जंक्शन बिलासपुर रेलवे स्टेशन (बीएसपी) में अपने गौरवशाली यात्रा पूरी करते हुए शताब्दी समारोह का आयोजन दिनांक 14 अगस्त, 2025 को किया गया। यह स्टेशन न केवल छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे बड़ा और व्यस्ततम स्टेशन है, बल्कि भारतीय रेल के हावड़ा–मुंबई मुख्य मार्ग एवं कटनी रूट पर एक महत्त्वपूर्ण कड़ी भी है। प्रतिदिन लगभग 70 हजार यात्रियों का आवागमन और करीब 350 यात्री व माल ट्रेनों का संचालन इस स्टेशन की महत्ता को दर्शाता है।

इतिहास के पन्नों में बिलासपुर रेलवे स्टेशन से जुड़ी कई ऐसी यादें हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। मालगाड़ी से लेकर यात्री ट्रेनों का सफर आज भी निरंतर जारी है। बिलासपुर को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय का दर्जा दिनांक 1 अप्रैल, 2003 में मिलने के बाद इसका महत्त्व और बढ़ गया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और क्रमिक विकास

बिलासपुर स्टेशन की स्थापना वर्ष 1889 में नागपुर–छत्तीसगढ़ रेलवे के अंतर्गत हुई, जो आगे चलकर बंगाल नागपुर रेलवे का हिस्सा बना। वर्ष 1891 में नागपुर से आसनसोल तक की रेलवे लाइन शुरू होने के साथ ही बिलासपुर देश के प्रमुख क्रॉस–कंट्री रूट का अहम पड़ाव बन गया। 20वीं सदी में स्टेशन का कई चरणों में विस्तार और विद्युतीकरण हुआ। वर्ष 1969–70 में राऊरकेला–बिलासपुर सेक्शन का विद्युतीकरण। वर्ष 1976–77 में बिलासपुर–नागपुर सेक्शन का विद्युतीकरण। वर्ष 1981 में बिलासपुर–कटनी सेक्शन का विद्युतीकरण।

ऐतिहासिक स्टेशन बिल्डिंग है खास

बिलासपुर स्टेशन का ऐतिहासिक भवन सबसे खास है। यहाँ आने वाला हर यात्री अपने आप को तस्वीरों में कैद कर यादें संजोना चाहता है। इसे हेरिटेज भवन माना जाता है। भवन के सामने तिरंगे के नीचे खड़े होकर गौरवान्वित महसूस करता है। रेलवे ने इस स्टेशन को धरोहर के रूप में विकसित किया है। यही कारण है कि पूरे प्रदेश के लोगों का विशेष लगाव है। इसके अलावा बिलासपुर का बंगला यार्ड रेलवे कॉलोनी, एनईआई, रेलवे स्कूल नं.1,यूरोपियन क्लब, सेंट ऑगस्टीन चर्च जैसे शताब्दी से अधिक पुरानी ऐतिहासिक भवन हैं, जो बिलासपुर स्टेशन क्षेत्र की अलग पहचान को दर्शाते हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर और 'फांकि' कविता

1918 में विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर जब पेंड्रा जा रहे थे, तब उन्हें बिलासपुर स्टेशन पर लगभग 6 घंटे रुकना पड़ा था। इसी ठहराव के दौरान उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कविता 'फांकि' यहीं पर लिखी। यह साहित्यिक घटना बिलासपुर स्टेशन को न केवल रेलवे इतिहास में बल्कि भारतीय साहित्य में भी विशिष्ट स्थान देती है।

खेल और आर्थिक योगदान

रेलवे ने बिलासपुर को खेलों में भी पहचान दिलाई है। आर्थिक दृष्टि से भी स्टेशन ने होटल, लॉज, परिवहन सेवाओं, हैंडलूम और छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देकर सैकड़ों परिवारों को रोजगार दिया है।

पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान

बिलासपुर स्टेशन अचानकमार टाइगर रिजर्व, महामाया मंदिर रतनपुर और 'छत्तीसगढ़ का कश्मीर' कहलाने वाले चैतुरगढ़ जैसे पर्यटन स्थलों का प्रवेश द्वार है। यहाँ की सांस्कृतिक विविधता रेलवे कॉलोनी के बंगाली, तेलुगु और ओड़िया स्कूलों से लेकर जगन्नाथ मंदिर और कालीबाड़ी मंदिर जैसी धार्मिक धरोहरों में झलकती है।

यात्री सुविधाओं में अव्वल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर स्टेशन यात्री सुविधाओं के मामले में भी सबसे आगे है। स्वच्छता से लेकर संरक्षा और संरक्षा में एक अलग पहचान है। आरक्षण खिड़कियों के अलावा एटीवीएम मशीन तथा ऑनलाइन टिकटों के माध्यम से यात्रियों की सुखद यात्रा सुनिश्चित हो रही है। रेल कोच से निर्मित रेस्टोरेंट, आधुनिक स्टॉल, स्वचालित वेंडिंग मशीन, वॉटर वेंडिंग मशीन, बॉटल क्रशर मशीन, दिव्यांग यात्री सुविधाएँ, यात्रियों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु हेल्थ कियोस्क, जन औषधि केंद्र, व्यवस्थित पार्किंग जैसे अनेक सुविधाएँ उपलब्ध है| किसी समय में यहाँ घोड़ी-तांगा के सहारे यात्री ट्रेन से उतरकर अपने घर पहुँचते थे। अब सिटी बस, आटो-टैक्सी से लेकर दिव्यांगों के लिए ट्रेनें उपलब्ध हैं।

वर्तमान स्वरूप और पुनर्विकास

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिलासपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास जारी है। इसमें उत्तर-पूर्व दिशा स्टेशन भवन का निर्माण–14,482.20 वर्ग मीटर, दक्षिण-पश्चिम दिशा स्टेशन भवन का निर्माण–8,317.00 वर्ग मीटर, कुल प्लेटफॉर्म क्षेत्रफल–54,191 वर्ग मीटर, एयर कॉनकोर्स–5,915.00 वर्ग मीटर, एस्केलेटर–22, लिफ्ट–30, पार्किंग क्षेत्र–28,076.70 वर्ग मीटर, वर्षा जल संचयन–96.83 केएल (16 यूनिट), सौर ऊर्जा क्षमता–2000 Kwp तथा संरक्षा हेतु–400 बुलेट टाइप सीसीटीवी कैमरे का प्रावधान प्रस्तावित है| ये कार्य न केवल यात्री सुविधाओं को बढ़ाएगी, बल्कि स्टेशन को पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल बनाएगी। बिलासपुर स्टेशन अतीत की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं का संगम है। यह स्टेशन न केवल यात्रा का केंद्र है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक धड़कन भी है। आने वाले वर्षों में यह स्टेशन यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करते हुए अपने गौरवशाली इतिहास को और समृद्ध करेगा।



'ब्रिजिंग इंडिया' शीर्षक वाली भारतीय रेल की झांकी में वंदेभारत एक्सप्रेस, चिनाब और नए पांबन पुल तथा अमृत स्टेशन की प्रतिकृतियाँ प्रदर्शित की गईं। यह झांकी कर्नाटक में मैसूरु दशहरा जुलूस के दौरान पेश की गई।

अमृत भारत स्टेशन

राजस्थान की आधुनिक पहचान बना हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन!

पुनर्विकास कार्य 100% पूर्ण

यात्री सुविधाएँ

- सर्कुलेटिंग एरिया
- पार्किंग सुविधा
- बुकिंग ऑफिस व रिटायरिंग रूम
- टॉयलेट
- यात्री सूचना प्रणाली
- एलईडी लाइटिंग
- फुटओवर ब्रिज



4 सितंबर, 2025



4 सितंबर, 2025

राजस्थान का श्री गंगानगर स्टेशन : आधुनिकता और स्थानीय कला का संगम!

पुनर्विकास कार्य 100% पूर्ण

यात्री सुविधाएँ

- AC वेटिंग हॉल एवं सेकेंड क्लास वेटिंग हॉल
- कॉनकोर्स व बुकिंग हॉल
- रिटायरिंग रूम एवं डॉरमेट्री
- दिव्यांग अनुकूल शौचालय
- फुट ओवर ब्रिज

उत्तर प्रदेश के लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन का हो रहा पुनर्विकास!

कार्य पूर्ण

- स्टेशन भवन की मरम्मत
- अतिरिक्त पार्किंग एरिया
- पुनर्विकसित वेटिंग हॉल व शौचालय
- फसाड व लाइटिंग

कार्य प्रगति पर

- सर्कुलेटिंग एरिया
- फर्नीचर
- साइनेज



7 सितंबर, 2025



12 सितंबर, 2025

आधुनिक सुविधाओं से सजा, उत्तर प्रदेश का गोमती नगर रेलवे स्टेशन

पुनर्विकास कार्य 99% पूर्ण

कार्य का विवरण

- स्टेशन भवन के द्वार
- एसी कॉन्कोर्स
- आगमन एवं गमन रोड
- लिफ्ट एवं एस्केलेटर
- प्लेटफॉर्म रेनोवेशन

कार्य प्रगति पर

- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स फिनिशिंग



1 सितंबर, 2025

अमृत स्टेशन के साथ यात्रा के नए युग में कदम
तेलंगाना: विकराबाद जंक्शन का पुनर्विकास

कार्य पूर्ण

- FOB के गर्डर लगाए गए
- VIP लाउंज, बुकिंग ऑफिस और कैफेटेरिया का कार्य लगभग पूरा

चल रहे कार्य

- प्रतीक्षालय
- प्लेटफॉर्म सुधार कार्य
- FOB रैंप
- लिफ्ट

तेलंगाना : रामागुंडम स्टेशन को आधुनिक पहचान

पुनर्विकास प्रगति : 100%

यात्री सुविधाएँ

- मुख्य बाहरी दीवार के लिए पोर्टिको और प्रकाश व्यवस्था
- सामान्य प्रतीक्षालय और VIP लाउंज
- लिफ्ट, रैंप और एस्केलेटर
- दिव्यांगजन सुविधाएँ
- प्लेटफॉर्म सतह पर खुरदरी टाइल्स (दिव्यांगजनों के लिए सुविधाजनक)
- 12 मीटर चौड़ा FOB
- पार्किंग



4 सितंबर, 2025



नए अवतार में दिखेगा
दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन

गुलशन राय खत्री
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमृत भारत योजना के तहत देश भर के जिन रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास हो रहा है, उनमें दिल्ली छावनी स्टेशन भी है। दिल्ली के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में शामिल इस स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को अगले साल एयरपोर्ट जैसा अनुभव मिलने जा रहा है। एयरपोर्ट की तरह ही पैसेंजर सीधे रेलवे स्टेशन पर गेट के सामने उतर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2023 में इस योजना की औपचारिक शुरुआत की। इस पर अनुमानित खर्च ₹350 करोड़ हैं तथा अगले साल के अंत तक कार्य पूरा होने का लक्ष्य है।

दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन वर्ष 1914 में स्थापित किया गया था। उस वक्त इस स्टेशन को बनाने का उद्देश्य सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करना था। कई बार सैन्य साजो-सामान तथा सैनिकों को लाने ले जाने के लिए इस स्टेशन का फायदा भी हुआ। अब सैन्य जरूरतों के अतिरिक्त सामान्य यात्रियों के लिए इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। लगभग 10,452 एकड़ में फैले इस रेलवे स्टेशन पर फिलहाल पाँच प्लेटफॉर्म हैं, जहाँ से बड़ी संख्या में मालगाड़ियाँ भी आती-जाती हैं। दिल्ली छावनी स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रोजाना लगभग 100 यात्री ट्रेनें आती-जाती हैं, जबकि दो ट्रेनें यहाँ से चलती हैं और दो ही ट्रेनें यहाँ आकर टर्मिनेट होती हैं।

इस स्टेशन को जब बनाया गया था, उस वक्त यहाँ मीटर गेज लाइन थीं लेकिन बाद में रेलवे में बड़े पैमाने पर हुए बदलाव के तहत वर्ष 1991 में यहाँ की लाइन को ब्रॉडगेज किया गया। दिल्ली में तेजी से हुए विस्तार, खासतौर पर पश्चिमी दिल्ली में कॉलोनियों के निर्माण के बाद दिल्ली छावनी स्टेशन भी शहर के बीचोंबीच आ गया है। इसके एक ओर दिल्ली छावनी क्षेत्र है तो दूसरी ओर मायापुरी जैसा इंडस्ट्रियल एरिया और जनकपुरी जैसी घनी आबादी वाली बस्ती।

अस्सी के दशक में जब इस स्टेशन से ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी तो एशियाड 82 से ठीक पहले व्यस्ततम जेल रोड पर फ्लाईओवर का निर्माण किया गया, जो इस स्टेशन के दक्षिण हिस्से से बिलकुल सटा हुआ है। इस फ्लाईओवर के निर्माण से इस स्टेशन से जयपुर की ओर जाने वाले ट्रैक पर फाटक खत्म हो गया और रोड ट्रैफिक भी।

लेकिन हाल के वर्षों में इस स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट को लेकर यात्रियों को कुछ असुविधा हो रही थी। एक ओर फ्लाईओवर और दूसरी ओर रेलवे लाइन के अलावा इर्द-गिर्द बड़ी आबादी को देखते हुए इस रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की योजना इस तरह से तैयार की गई कि किसी घर टूटे नहीं, यात्रियों की आवाजाही भी आसान हो और ट्रैफिक भी जाम न हो।

यू-आकार का होगा एलिवेडेट कॉनकोर्स

दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन पुनिर्विकास योजना के तहत सबसे अहम होगा, इसका एलिवेटिड कॉनकोर्स। यह एयरपोर्ट स्टाइल में होगा। इस रेलवे स्टेशन से सटे फ्लाईओवर की वजह से अभी रेलवे स्टेशन तक पहुँचने के लिए फ्लाईओवर के नीचे से जाना पड़ता है, लेकिन अब इस पर यू आकार में एलिवेटिड कॉनकोर्स बनाया जाएगा, जो जनकसेतु फ्लाईओवर से जुड़ा होगा। तिलक नगर से आने वाले यात्री अपनी गाड़ी से जनक सेतु फ्लाईओवर पर चढ़ेंगे और फ्लाईओवर पर पहुँचते ही बाईं ओर मुड़ जाएंगे।



इस तरह से वे सीधे कॉनकोर्स पर ऐसे ही अपनी गाड़ी से उतरेंगे, जैसे एयरपोर्ट पर उतरते हैं। वहीं कॉनकोर्स पर न सिर्फ टिकट काउंटर से लेकर वेटिंग एरिया और फूड प्लाजा होंगे। जहाँ यात्री बैठ सकेंगे। उसके बाद ट्रेन के आने पर उसी कॉनकोर्स से यात्री एस्केलेटर या लिफ्ट के जरिए नीचे अपने प्लेटफॉर्म पर जा सकेंगे। इस तरह से उन्हें अपने सामान के साथ पहले फुटओवर ब्रिज पर चढ़ने और फिर प्लेटफॉर्म पर उतरने की जरूरत नहीं होगी।

स्टेशन पर इस तरह से प्लानिंग की गई है कि धौला कुआं की ओर से आने वाले यात्री नीचे की ओर से एंट्री कर सकें। इस तरह से यात्रियों को दोनों तरफ से एंट्री और एग्जिट करने की सुविधा होगी। इस तरह से नीचे ट्रैफिक जाम की स्थिति भी नहीं बनेगी। यहाँ नीचे से आने वाले यात्रियों के लिए भी नीचे ही टिकट काउंटर बने होंगे। ताकि उन्हें टिकट के लिए इधर उधर भटकना न पड़े।

इसके अलावा इस स्टेशन की बिल्डिंग को भी नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। बिल्डिंग की लोकेशन में बदलाव होने का फायदा ये होगा कि आगे की ओर का हिस्सा खाली हो जाएगा और पैसेंजरों की आवाजाही में कोई दिक्कत नहीं होगी। इस स्टेशन पर एक बड़ी पार्किंग भी बनाई जा रही है, जो मल्टीस्टोरी होगी। अभी पार्किंग के नाम पर फ्लाईओवर के नीचे ही दुपहिया ट्रेने खड़ी हो सकती हैं।

उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अमृत भारत योजना के तहत जो काम शुरू किया है, उसका फायदा अगले साल के अंत तक इस स्टेशन पर आने जाने वालों को मिलने लगेगा और ये स्टेशन नए रूप में सामने होगा।

कोलकाता मेट्रो शहरी जीवन की धड़कन

कोलकाता मेट्रो के हर कोच में बसता है लोगों का जीवन

स्नेहा शॉ
वरिष्ठ पत्रकार

कोलकाता की भीड़ भरी सड़कों के बीच आवागमन आसान नहीं है, लेकिन ऐसे में यहाँ के लिए कोलकाता मेट्रो ट्रेन वरदान बन गई है। सिटी की इस भूमिगत मेट्रो ने न केवल यात्रा को आसान बनाया है बल्कि कोलकाता की नई पहचान बन गई है। एक सपना, जो आज हक़ीक़त बन चुका है।

दशकों पहले, जब भारत के बाकी शहरों ने भूमिगत रेल की कल्पना तक नहीं की थी, कोलकाता ने यह सपना देखा। वर्ष 1949 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय के फ्रांसीसी सलाहकार आंद्रे कोटार्ड ने पेरिस और लंदन से प्रेरित होकर मेट्रो की रूपरेखा तैयार की। उस दौर में यह विचार बेहद महत्त्वाकांक्षी और नए भारत के लिए अत्यधिक महंगा माना गया, लेकिन यह सपना लगातार अपना दायरा बढ़ाता रहा।

वर्ष 1970 के दशक में जब शहर का ट्रैफिक दमघोंटू होने लगा, तब भारतीय रेल और पश्चिम बंगाल सरकार ने इस योजना को पुनर्जीवित किया। आखिरकार वर्ष 1984 में पहली मेट्रो ट्रेन पटरियों पर उतरी। इस क्षण ने कोलकाता को भारत का पहला और दुनिया का 17वां शहर बनाया, जहाँ शहरी मेट्रो ट्रेन शुरू हुई। समय के साथ नेटवर्क धीरे-धीरे बढ़ा। हर स्टेशन अपने भीतर शहर की आत्मा समेटे हुए है—रवींद्र सदन, नेताजी भवन, श्यामबाजार, महानायक उत्तम कुमार आदि। ये सिर्फ मेट्रो स्टेशन के नाम नहीं हैं, बल्कि कोलकाता की संस्कृति और इतिहास का आईना हैं।

कोलकाता मेट्रो ने असंभव दिखने वाले कामों को भी संभव किया है। 520 मीटर लंबा ईस्ट—वेस्ट कॉरिडोर में हुगली नदी के नीचे दुनिया का अनोखा अंडरवॉटर टनल है। मार्च 2024 में इसका उद्घाटन किया गया। यह परियोजना सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस साहस की मिसाल है, जिसने कोलकाता को हमेशा आगे रखा।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यलो लाइन (नोआपाड़ा—एयरपोर्ट), ग्रीन लाइन (सियालदह—एस्प्लेनेड) और ऑरेंज लाइन (बेलेघाटा—हेमंत मुखोपाध्याय) के नए मेट्रो ट्रेन खंडों का उद्घाटन किया। कागज पर भले ही ये विस्तार छोटे लगें, लेकिन रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए ये जीवनरेखा हैं। हर नया कि.मी. यात्रा का समय घटाता है और तनाव कम करता है।





इनसे न सिर्फ सफर आसान हुआ है, बल्कि यात्रियों को परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर मिला है। भीड़भाड़ से राहत और आरामदायक यात्रा अब कोलकाता मेट्रो की पहचान बन चुकी है।

दुर्गा पूजा के समय जब शहर की हर गली, हर बाजार और हर सांस्कृतिक स्थल खचाखच भर जाता है, तब मेट्रो सबसे बड़ी राहत बनती है। इन दिनों बसों और ऑटो-रिक्शों की भीड़ से बचने के लिए यात्री मेट्रो को ही सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प मानते हैं। बच्चों के साथ परिवार हों, बुजुर्ग हों या रोजाना दफ्तर आने-जाने वाले लोग—सभी के लिए मेट्रो एक वरदान है।

मेट्रो सिर्फ रेल और कंक्रीट का ढाँचा नहीं है। यह शहर की आत्मा में बसी हुई एक अदृश्य डोर है। इसमें हर रोज लाखों लोग अपने सपने, संघर्ष और कहानियाँ बुनते हैं। यही वजह है कि मेट्रो कोलकाता की धड़कन कहलाती है। यह शहर को जोड़ती है, समय बचाती है और जीवन को थोड़ी सहजता देती है।

पीटीआई की एक हालिया रिपोर्ट ने इस ओर ध्यान खींचा कि 22 अगस्त से 21 सितंबर 2025 के बीच कोलकाता मेट्रो में 1.5 करोड़ से अधिक यात्रियों ने सफर किया। यह आँकड़ा इस बात का प्रमाण है कि मेट्रो ट्रेन आज शहर का सबसे भरोसेमंद, आरामदायक और सुविधाजनक परिवहन साधन बन चुकी है। केवल 21 सितंबर, जो कि रविवार का दिन था, उस दिन ही 5.21 लाख से अधिक लोगों ने मेट्रो का उपयोग किया। ब्लू लाइन (दक्षिणेश्वर—सहीद खुड़ीराम) पर अकेले 4.04 लाख यात्रियों ने सफर किया, जबकि ग्रीन लाइन (हावड़ा मैदान—सॉल्ट लेक सेक्टर V) पर 1.11 लाख से अधिक लोगों ने यात्रा की। रोजाना मेट्रो से सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि इस बात का सजीव प्रमाण हैं कि मेट्रो अब कोलकाता के जीवन की धड़कन बन चुकी है।

कोलकाता के निचले और मध्यवर्गीय तबके के लिए मेट्रो किसी वरदान से कम नहीं है। इसका कारण यह है कि मेट्रो उनके जीवन-शैली के अनुरूप है—यह सस्ती है, समय की बचत करती है और यात्रा को सुविधाजनक बनाती है। इसके विपरीत टैक्सी और ऑटो-रिक्शा न केवल महंगे होते हैं, बल्कि अनिश्चित भी। यात्री कभी यह दावा नहीं कर सकते कि वे इन साधनों से समय पर गंतव्य तक पहुँच जाएंगे। ऐसे में मेट्रो यात्रियों को भरोसा देती है और यही इसकी सबसे बड़ी ताक़त है।

तकनीकी सुधार और नए कोच

यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए हाल ही में चीन की डालियान लोकोमोटिव से लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत वाले 16 नए कोच मंगाए गए हैं। इनमें बेहतर एयर-कंडीशनिंग और आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया है, जिससे सफर अब और भी आरामदायक हो गया है। यह बदलाव केवल सुविधा ही नहीं

बढ़ाते, बल्कि यात्रियों को यह संदेश भी देते हैं कि मेट्रो निरंतर प्रगति कर रही है।

छोटे-छोटे सुधार भी इस यात्रा को उल्लेखनीय बना देते हैं। उदाहरण के लिए, ब्लू लाइन के अपग्रेड के दौरान पानी से ठंडे होने वाले चिलर की जगह हवा से ठंडे होने वाले चिलर लगाए गए। यह बदलाव केवल तकनीकी उन्नति नहीं है, बल्कि यह शहर की पर्यावरणीय जागरूकता को भी दर्शाता है। इससे भूजल जैसे महत्त्वपूर्ण संसाधनों का संरक्षण संभव हो पा रहा है।

मेट्रो की अपनी लय

मेट्रो ने शहर के यातायात को आसान बनाते हुए विकास की दिशा में एक नई इबारत लिखी है। इसकी अपनी एक अलग लय है, जो रोजाना इसमें सफर करने वाले यात्रियों के जीवन का हिस्सा बन चुकी है। कंधों पर झूलते बैग लिए छात्र, मोबाइल पर व्यस्त दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और थकान के बावजूद अपने बक्से ढोते दुकानदार—सभी के जीवन में मेट्रो एक स्थायी साथी बन गई है।

आज यात्री अब शहर की बसों की भीड़भरी गर्मी में धक्के खाते सफर करने को मजबूर नहीं हैं। एयर-कंडीशंड कोच ने उन्हें नई राहत दी है। अब पसीने से तरबतर होने की स्थिति नहीं आती। आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम ने सफर को और भी हल्का व सहज बना दिया है। ये छोटे-छोटे बदलाव शुरुआत में भले ही नजर न आएं, लेकिन लंबे समय में ये शहर के परिवहन को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखते हैं।

सतह के ऊपर और नीचे का विरोधाभास

ऊपर की सड़कों पर कभी न खत्म होने वाली भागदौड़, हॉर्न का शोर और रिक्शों की भीड़ शहर को थका देती है। ऐसा लगता है मानो जीवन बिना रुके तेजी से भाग रहा है। लेकिन सतह के नीचे, मेट्रो शालीनता और सहजता से सरकती है। यह विरोधाभास ही मेट्रो को खास बनाता है। यह शोरगुल से भरे शहर को शांत और व्यवस्थित लय प्रदान करती है।

नई लाइनों ने पहले ही लोगों का समय बचाना शुरू कर दिया है। कम इंतजार, कम धक्का-मुक्की और अधिक सहजता ने यात्रियों का अनुभव बदल दिया है। आने वाले दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों में, जब हर गली-मोहल्ला भीड़ से भर जाता है, तब मेट्रो ही राहत की सांस देती है। अतिरिक्त ट्रेनें और नई सुविधाएँ यात्रियों को सहज सफर प्रदान करती हैं।

शहर को जोड़ने वाली डोर

मेट्रो केवल लोहे और कंक्रीट का ढाँचा नहीं है। यह शहर की आत्मा में बसी हुई एक अदृश्य डोर है। जैसे महीन धागा कपड़े के टुकड़ों को जोड़कर एक वस्त्र बना देता है, उसी तरह मेट्रो पूरे शहर को जोड़ती है। इसमें हर रोज लाखों लोग अपनी कहानियाँ, सपने, संघर्ष और उम्मीदें लेकर सफर करते हैं। यह सिर्फ परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवित धड़कन है, जो कोलकाता को एकजुट रखती है।

मेट्रो चुपचाप शहर की आत्मा को थामे हुए है। यह कोलकाता की "सिटी ऑफ जॉय" वाली पहचान को और भी गहरा करती है। हर नया कोच, हर छोटा सुधार और हर नई लाइन न केवल शहर के विकास की गवाही देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कोलकाता लगातार आधुनिकता और परंपरा के बीच एक संतुलित ब्रिज बना रहा है।

भारतीय रेल / Indian Railways

पत्रिका की सदस्यता एवं पत्रिका नहीं मिलने की शिकायत हेतु

फोन या व्हाट्सएप करें

92205 05349

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 5 बजे तक)

Email: bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com



अनोखे रेल ब्रिजों की रोचक कहानी

विमलेश चंद्र
सेवा निवृत्त, रेल अधिकारी

भारतीय रेल विशाल नेटवर्क के साथ-साथ ऐतिहासिक और अद्भुत संरचनाओं के लिए मशहूर है। इनमें रेलों ब्रिज की अपनी रोचक कहानियाँ हैं। यदि आप रेल यात्रा में हैं, तो निश्चिति ही ये ब्रिज आपकी जिज्ञासा बढ़ाएँगे। देश में कुल 1,63,810 रेल ब्रिज हैं, जिनमें से 740 महत्त्वपूर्ण, 13,176 बड़े और 1,49,894 छोटे ब्रिज हैं। साधारण रेल ब्रिजों की संख्या तो लाखों में है।

शीर्ष 10 अनोखे रेल ब्रिज : भारतीय रेल के हजारों ब्रिजों में से कुछ अपनी संरचना और विशेषताओं के कारण ये ब्रिज सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं। चिनाब रेल ब्रिज, अंजी खड्ड केबिल आधारित रेल ब्रिज, वर्टीकल लिफ्ट पांबन रेल ब्रिज, समप्रीति रेल ब्रिज, कालका शिमला रेलवे का चार तल वाला रेल ब्रिज, बोगीबिल रेल ब्रिज, गोदावरी नदी आर्क रेल ब्रिज, नोनी रेल ब्रिज, फरक्का बांध रेल ब्रिज और कुन्नूर रेल ब्रिज। कई विश्व विरासत रेल ब्रिज हैं और कई दर्जन ऐसे रेल ब्रिज हैं, जिन्हें भारतीय रेल विरासत का दर्जा दिया गया है।

कुछ आकर्षक रेल ब्रिज : भारतीय रेल में एक तरफ जहाँ दुनिया का सबसे ऊँचा चिनाब आर्च रेल ब्रिज है, वहीं केबिल आधारित अंजी खड्ड रेल ब्रिज भी है। पांबन का वर्टिकल लिफ्ट रेल ब्रिज अध्यात्मक और संस्कृति को जड़ता है, मल्टीस्टोरी वाला कालका-शिमला रेल लाइन ब्रिज भी है।

भारत का सिंगल पिलर वाला सबसे ऊँचा रेल ब्रिज मणिपुर में है। तीन प्रकार का रेल गेज वाला ब्रिज है, तो लूप लाइन वाला रेल ब्रिज बतासिया भी है। किसी एक ब्रिज पर आधे हिस्से में सड़क और आधे हिस्से में रेल लाइन भी है। नीचे सड़क और ऊपर रेल

लाइन या फिर नीचे रेल लाइन और ऊपर सड़क वाले कई ब्रिज है। यहाँ तक कि कई बड़े बांध पर भी रेल ब्रिज हैं।

लूप लाइन रेल ब्रिज केवल एक है। वह घूम स्टेशन के पास है। इसे बतासिया लूप कहते हैं। काफी पहले दार्जिलिंग रेलवे सेक्शन में ऐसा ब्रिज था और दूसरा अकोला के पास मीटर गेज का धुलघाट रेल ब्रिज था, लेकिन ये दोनों नष्ट हो चुके हैं। ट्रिपल गेज रेल ब्रिज, भारतीय रेल में सिलीगुड़ी सेक्शन में है। हालांकि अभी भी इस ब्रिज पर तीनों गेज की रेल लाइनें हैं।

भारतीय रेल में क्रॉस ओवर रेल ब्रिज की संख्या लगभग 100 है। इस तरह के रेल ब्रिजों में सबसे खूबसूरत हाथीदा क्रॉस ओवर रेल ब्रिज है। जम्मूतवी स्टेशन से कटरा की तरफ जाने पर जम्मूतवी से लगभग 30-35 कि.मी. दूरी पर एक बड़ा फ्लाइओवर रेल ब्रिज आता है। मानवाल स्टेशन के पास मानवाल रेल ब्रिज की लंबाई लगभग 1.5 कि.मी. है। यह तवी नदी के तलहटी में बनी है। लगभग ऐसा ही डिजाइन वाला पश्चिम फ्रेट कॉरिडोर ने भी एक रेल ब्रिज बनाया है, जो न्यू दादरी से न्यू रेवाड़ी के बीच स्थित है। इसकी लंबाई 2.7 कि.मी. है। इसका नाम वायाडक्ट-92 है। भारतीय रेल में कई स्टील ट्रस ब्रिज हैं- दीघा ऐसा ही ब्रिज है। यह रेल के साथ सड़क ब्रिज का उदाहरण भी है। मल्टी स्पैन ट्रस ब्रिज कई हैं, जैसे कि कोलकाता का विवेकानंद सेतु या बाली घाट रेल ब्रिज। सड़क ब्रिज पर पैदल चलने वालों के लिए लिए अलग से पाथ-वे है। ऐसा रेल ब्रिज बहुत कम हैं। बाली नाम के चारों स्टेशन आपस में मिलकर एक अनोखा रिकॉर्ड कायम करते हैं। टावरिंग ट्रेस्टल रेल ब्रिज पतली-पतली स्टील की पट्टियों से बना है। यह कम लंबाई वाला लेकिन ज्यादा गहराई वाला रेल ब्रिज या वायाडक्ट होता है। इस तरह का रेल ब्रिज, पातालपानी-कालाकुंड मीटर गेज रेल सेक्शन में है। ऐसा रेल ब्रिज भारतीय रेल में संभवतः और कहीं नहीं है।

बांध, हाइवे और रेल ब्रिज एक साथ बने हों, भारतीय रेल में ऐसा एकमात्र रेल ब्रिज फरक्का बांध रेल ब्रिज है। दोहरी सड़क, दोहरी रेल लाइन और फिर इसी ब्रिज में जुड़ा एक बहुत बड़ा बांध बना है। यह इंजीनियरिंग का कमाल है कि किसी एक बांध पर रेल लाइन और सड़क भी एक साथ बना है। पियर रेल ब्रिज, यह गोलाई या चौकोर में सिंगल पिलर वाला रेल ब्रिज होता है। भारतीय रेल में ऐसा रेल ब्रिज बहुत कम है। कश्मीर घाटी में दो, कोंकण रेलवे में पनवेल रेल ब्रिज और मणिपुर के नोनी ब्रिज इसका उदाहरण है।

ऊँचे पिलर वाले रेल ब्रिज : ऊँचे पिलर वाले रेल ब्रिजों में सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज नोनी रेल ब्रिज मणिपुर है। इसके पिलर की ऊँचाई 141 मीटर है। दूसरा सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज रियासी रेल ब्रिज, कश्मीर घाटी रेलवे, पिलर की ऊँचाई 105 मीटर है। तीसरा सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज



चिनाब रेल ब्रिज


हाथीदा क्रास ओवर रेल ब्रिज

सायरंग रेल ब्रिज, आइजोल है। इसके पिलर की ऊँचाई 104 मीटर है। चौथा सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज झज्जर खड्ड रेल ब्रिज जम्मू है, जिसके पिलर की ऊँचाई 88 मीटर है। पाँचवां सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज गंभीर रेल ब्रिज, जम्मू है। इसके पिलर की ऊँचाई 77 मीटर है। छठा सबसे ऊँचा पिलर वाला रेल ब्रिज पनवेल रेल ब्रिज, कोंकण रेलवे, पिलर की ऊँचाई 64 मीटर शामिल हैं।

समप्रीति सेतु या समप्रीति रेल ब्रिज एक कंटिनुअस ट्रस रेल ब्रिज है और यह भारतीय रेल का अपनी तरह का पहला और एकमात्र रेल ब्रिज है। यह वर्ष 2016 में पुराने जुबली रेल ब्रिज की जगह पर बना है। जुबली रेल ब्रिज, कैंटीलीवर तरह का एक मात्र रेल ब्रिज था। यह पश्चिम बंगाल में बैंडेल स्टेशन के पास है। नीलगिरी पर्वतीय रेलवे में कुन्नूर रेल ब्रिज भी एक खूबसूरत और लंबा रेल ब्रिज है, जिस पर रैक एंड पिनियन सिस्टम बना है।

लंबे रेल ब्रिजों की गाथा : बोगीबिल सबसे लंबा रेल सह सड़क ब्रिज है। इस ब्रिज पर रेल लाइन और सड़क भी है। सोन नदी का रेल ब्रिज सबसे पहला और सबसे लंबा ब्रिज था, जिसकी लंबाई 3059 मीटर था और अब इससे लंबा रेल ब्रिज दीघा रेल ब्रिज है, जो 4556 मीटर लंबा है और वर्तमान समय में सड़क सह रेल लाइन पहला सबसे लंबा बोगीबिल रेल ब्रिज है, जिसकी लंबाई 4940 मीटर है। इसका उद्घाटन दिनांक 25 दिसंबर, 2018 को हुआ था। भारतीय रेल का सबसे लंबा वायाडक्ट वेम्बनाड है, जिसकी लंबाई 4.62 कि.मी. है।

रियासी स्टेशन एक बहुत ऊँचे रेल ब्रिज पर बना है और रियासी शहर इसके बहुत नीचे है। इस ब्रिज की एक विशेषता यह भी है कि इसके सबसे ऊँचें पिलर की ऊँचाई 105 मीटर है, जो नोनी रेल ब्रिज से छोटा जरूर है, लेकिन यह भारतीय रेल का दूसरा सबसे ऊँचा पिलर है। मजेदार बात यह है कि सबसे ऊँचा तीसरा और चौथा पिलर वाला रेल ब्रिज भी कश्मीर घाटी रेलवे में है। आगरा में रेलवे के दो बड़े बड़े रेल ब्रिज ब्रिटिश जमाने से बने हुए हैं। पहला यमुना ब्रिज और दूसरा स्ट्रेची ब्रिज। ये दोनों संभवतः भारतीय रेल के एकमात्र ऐसे ब्रिज हैं, जिसके द्वारा द्वारा ईआईआर और जीआईपीआर और बीबी एंड सीआईआर आपस में आगरा में मिलती थीं। कोलकाता को मध्य भारत से होते हुए दिल्ली से जोड़ने के लिए यह एक छोटा रेल रूट था। यहाँ का दूसरा रिकॉर्ड है झरना रेल ब्रिज, जो भारतीय रेल में सिंगल आर्क का सबसे लंबा रेल ब्रिज है। यहाँ का तीसरा रिकॉर्ड है, ईंट से बना लगभग आधे कि.मी. लंबा सुरंग, जिसके ऊपर ब्रिज और पूरी आबादी बसी है। यहाँ का चौथा रिकॉर्ड है, क्रॉस ओवर ब्रिज का। इसके अलावा आगरा में आगरा फोर्ट, आगरा कैंट, ईदगाह आगरा जंक्शन, आगरा सिटी, यमुना ब्रिज कई रेलवे स्टेशन हैं।

भारतीय रेल का शायद अपनी संरचना में सबसे ऊँचा ट्रस रेल ब्रिज है, विजयवाड़ा का रेल ब्रिज। विजयवाड़ा से चेन्नई जाते समय विजयवाड़ा स्टेशन के पास एक साथ दो रेल ब्रिज और एक रेल ब्रिज है, जो कृष्णा नदी पर बना है। यह ब्रिज बहुत बड़ा और ऊँचा भी है। इसकी ऊँचाई बहुत अधिक है। इसके गर्डर के ऊपर की संरचना चतुर्भुजाकार है। इसके पास में स्थित बैराज या बांध इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देती है।

एलीफेंट फुट पिलर के लिए मशहूर नैनी ब्रिज : प्रयागराज में यमुना नदी पर बना नैनी रेल ब्रिज अंग्रेजों की इंजीनियरिंग का अनोखा उदाहरण है। यह ब्रिज वर्ष 1865 में चालू हुआ और आज भी प्रतिदिन लगभग 200 ट्रेनों का भार सहजता से उठाता है। 14 पिलरों पर खड़े इस ब्रिज की खासियत इसका हाथीपांव पिलर (पिलर नंबर 13) है, जिसे तेज बहाव के कारण बनाने में सबसे ज्यादा मुश्किलें आई थीं। पानी का स्तर नौ फीट नीचे कर कुआँ खोदने के बाद ही यह संभव हो सका। इसकी मजबूत और विशेष


बतासिया रेल ब्रिज

डिजाइन के कारण इसे एलीफेंट फुट कहा जाने लगा। ब्रिटिश काल में दिल्ली और कोलकाता को जोड़ने के लिए बनाए गए इस ब्रिज में 1913 में दूसरी लाइन भी जोड़ी गई। आज भी यह ब्रिज न सिर्फ मजबूत खड़ा है, बल्कि भारतीय रेल की विरासत का गौरवपूर्ण प्रतीक भी है।

सबसे ज्यादा बड़े रेल ब्रिज गंगा और यमुना नदी पर बने हैं जबकि तीसरे नंबर पर नर्मदा नदी पर बने ब्रिज हैं। गोदावरी नदी पर बना तीसरा रेल ब्रिज, जिसे गोदावरी नदी आर्क रेल ब्रिज कहते हैं, यह एक ऐसा रेल ब्रिज है, जिसके ऊपर पर बहुत सारे आर्क बने हुए हैं और इस ब्रिज की लंबाई 2,745 मीटर है। कोंकण रेलवे का शरावती रेल ब्रिज भी एक विशेष रेल ब्रिज है क्योंकि इसका एक बड़ा हिस्सा समुद्र की खाड़ी में बना है और फिर समुद्री जमीन पर बना है। सोलापुर मंडल में बना हुआ भीमा रेल ब्रिज भी काफी प्रसिद्ध है। इसमें रेल लाइन के नीचे कुल 28 आर्क बने हुए हैं। 13 आर्च गैलरी रेल ब्रिज, जिसे 13 कन्नारा रेल ब्रिज या 13 आर्च ब्रिज भी कहा जाता है। यह दक्षिण रेलवे के सेंगोट्टई-पुनालुर खंड में स्थित एक ऐतिहासिक ब्रिज है। यह ब्रिटिश काल में बना बहुत पुराना रेल ब्रिज है और 13 मेहराबों (आर्च) वाला है। यह रेल ब्रिज दो पहाड़ियों को जोड़ता है और 13 ग्रेनाइट खंभों पर टिका है, जिनकी ऊँचाई लगभग 100 फीट है। यह ब्रिज वर्ष 1904 में अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था ताकि कोल्लम से मद्रास तक माल पहुँचाया जा सके। यह भारत की सबसे पुरानी



बाली घाट रेल ब्रिज

पर्वतीय रेल लाइनों में से एक का हिस्सा है। इस ब्रिज का निर्माण चूना पत्थर, चट्टानों और गुड़ का उपयोग करके किया गया था। यह ब्रिज एक तरफ कझुथुरुट्टी नदी और दूसरी तरफ कोल्लम-थिरुमंगलम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 744) से घिरा हुआ है। 13 आर्च ब्रिज दक्षिण रेलवे के इस खंड का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है और इसकी ऐतिहासिक और इंजीनियरिंग महत्त्व के कारण इसे संरक्षित किया गया है।

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 69 वर्षों
से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

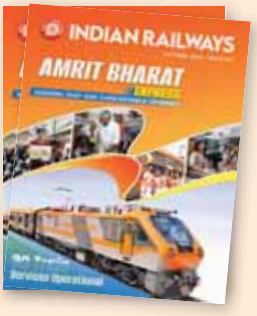
की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध



भारतीय रेल
(हिन्दी)

क्यू आर कोड स्कैन करें

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

दरें एवं शर्तें लागू

फ्रांसीसी संस्कृति का साक्षी पुडुच्चेरी

डॉ. विभा खरे

लगभग 2000 वर्ष पहले पुडुच्चेरी (पांडिचेरी) रोम का व्यापार केंद्र था। तबसे कोरूमंडल तट पर चेन्नई के 160 कि.मी. दक्षिण में स्थित पुडुच्चेरी ने कई उतार-चढ़ावों और साम्राज्यों को देखा है। वहां कभी पल्लव वंश का, तो कभी चोल वंश का शासन रहा। अंत में वहां फ्रांसिसियों की सरकार बनी। इस सरकार ने पुडुच्चेरी पर 300 वर्ष तक हुकूमत की। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वहां वृक्षों की सीधी कतारों के बीच मार्गों, खूबसूरत मकानों और घूमने-फिरने के शांत-एकांत स्थलों में अब भी फ्रांसीसी पुट मौजूद है।

वहां की औपनिवेशिक हवेलियों पर हाथी दांत के रंग की दीवारों पर बोगनवेलिया की लताएं लटकती दिखाई देती हैं। यह नगर एक समृद्ध महानगर है, जहाँ 55 भाषाएँ बोली जाती हैं। यह प्राचीनकाल से शिक्षा और वैदिक संस्कृति का केंद्र रहा है। यह महान हिंदू ऋषि अगस्त्य के आश्रम के रूप में भी जाना जाता है। पुडुच्चेरी में फ्रांसीसी और भारतीय दोनों ही संस्कृतियाँ देखने को मिलती हैं। यहाँ इमारतों की बनावट औपनिवेशिक ढंग पर बनाई गई है, जिसमें बड़े-बड़े अहाते और शानदार दीवारे हैं। भारतीय या तमिल शैली में बनाए गए मकानों में बरामदे, बड़े दरवाजे और ग्रिल्स लगी हैं। पुडुच्चेरी की एक-दूसरे से जुड़ी सड़कों पर गुजरना किसी टाइम मशीन के बीच से होकर गुजरने का अहसास कराता है। यह शहर पूर्व-पश्चिम का मिलनस्थल है। यहाँ गिरिजाघरों के साथ-साथ मंदिर भी हैं। अगर यहाँ पोंगल और गणेश पूजा जैसे लोकप्रिय पर्व मनाए जाते हैं, तो बैस्टिल डे परेड का भी आयोजन होता है, जिसमें पुडुच्चेरी के गली-बाजारों में सेवानिवृत्त सैनिक युद्ध की तड़क-भड़कवाली पोशाक में शहनाई और एकॉर्डियन के धुन के बीच फ्रांस और भारत के राष्ट्रीय गीत को गाते हुए गुजरते हैं।

पुडुच्चेरी के दर्शनीय स्थल

ऑरोविले : अपने होटल की खिड़कियों से बाहर के दृश्यों को देखकर या फिर समुद्र तट पर फ्रेंच क्वॉर्टर्स के चारों ओर घूमते हुए थक गए हों, तो आप ऑरोविले जा सकते हैं। इसे सिटी ऑफ





डॉन (सूर्योदय का नगर) कहा जाता है, जहाँ आप जिंदगी का एक दूसरा ही मजा ले सकते हैं। यह आपके लिए एक दिलचस्प अनुभव होगा।

ऑरोविले पुडुच्चेरी से 10 कि.मी. दूर है, जहाँ 40 बस्तियों में विभिन्न देशों के लोग रहते हैं। वहां के गाँव का आनंद लेने और झीलों, उद्यानों को देखने के लिए साइकिल सबसे अच्छी सवारी है। यहाँ 24 हेक्टेयर के फार्म और बगीचों में जैविक खेती को सफलतापूर्वक अपनाया गया है। यहाँ उगाए जानेवली सब्जियों-फलों का ऑरोविले और आश्रम के रसोईघरों में उपयोग किया जाता है।

सरकारी उद्यान : शहर के प्राचीन औपनिवेशिक हिस्से के बीचोबीच है। उसकी हरियाली के चारों तरफ अधिकतर सरकारी इमारतें बनी हुई हैं। इसमें उप राज्यपाल का निवास, विधानसभा और सरकारी अस्पताल के अलावा एक खूबसूरत विले में डाइनिंग रूम है, जो एक प्राइवेट क्लब के साथ-साथ एक पुराने होटल का भी रूप लिए हुए है।

स्ट्रीट्स : इसकी सबसे पुरानी गलियाँ पार्क और जे.एन. स्ट्रीट से आरंभ होती हैं तथा शहर के तमिल हिस्से से जा मिलती हैं।

स्मारक : पुडुच्चेरी में स्मारकों की भरमार है और हर स्मारक अपनी एक कहानी कहता है। पार्क के बीच में 'आयी मंडप' सबसे जाना-माना स्मारक है। यह मंडल फ्रांस में नेपोलियन-तृतीय के शासनकाल के दौरान बनाया गया था। इसका नाम 16वीं शताब्दी की एक वेश्या 'आयी' के नाम पर पड़ा है। इस वेश्या ने अपना घर तोड़ कर वहां पानी का एक टैंक बना दिया। उसने यह कदम नरेश को खुश करने के लिए उठाया था, जो मोमबत्ती से प्रकाशमान इस वेश्या के घर को एक पवित्र स्थल समझ कर वहां आया। इस जलाशय का उपयोग फ्रांसीसी इंजीनियरों ने भी किया, जिन्होंने इस टैंक में शहरों को पानी पहुँचाने का काम किया।

संग्रहालय : अपनी प्रचीन उम्दा वस्तुओं के लिए मशहूर है। इसके कई भाग हैं। इनमें पुरातत्व, भू-भौतिक, वास्तुकला, शिल्पकला, कला, मुद्रण और शास्त्रों के कई अलग-अलग विभाग हैं।

फ्रेंच वॉर मेमोरियल : एवेन्यू गोउबर्ट पर फ्रेंच वॉर मेमोरियल और महात्मा गांधी की प्रतिमा।

लाइट हाउस : 29 मीटर ऊँची यह बनावट 150 साल पुरानी है।

ओरविंदो आश्रम : ओरविंदो आश्रम पर ओरविंदो और मदर की समाधि देख सकते हैं।

डुमास स्ट्रीट के फ्रेंच इंस्ट्रीटयूट की रोमेन रॉलैंड लाइब्रेरी : डुमास स्ट्रीट स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट की इस लाइब्रेरी में कई यादगार और दुर्लभ पुस्तकें संग्रहीत हैं।

जवाहर टॉय म्यूजियम : यह गांधी मैदान के पास पुरानी लाइट हाउस बिल्डिग में है। यहाँ देश के विभिन्न क्षेत्रों के खिलौनों और कठपुतलियों को रखा गया है।

यहाँ शानदार 'गिजी किला एक अपना आकर्षण लिए है।



वहीं कांचीपुरम तिरुवन्नमलाई और चिदंबरम के पवित्र मंदिरों के शहर, धरोहर स्थापत्य कलाएं, ममल्लापुरम के भव्य पाषाण मंदिर, येरकुड और कोडाइकनाल के ठंडे और हरे-भरे पर्वतीय स्थल पुढुच्चेरी के आसपास के इलाकों के वातावरण को जीवंत बनाए रखते हैं।



पूजा के स्थान : यहाँ सेक्रेट हार्ट ऑफ जीसस चर्च से ले कर वरदराज मंदिर, थिरूकामेश्वर मंदिर, माराकुला विनयागर मंदिर आदि शामिल हैं।

यात्रा के लिए बेहतर समय : पुढुच्चेरी जाने के लिए नवंबर सबसे उपयुक्त समय है। तब तापमान लगभग 30 डिग्री होता है।

मार्च से जुलाई के बीच तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला जाता है।

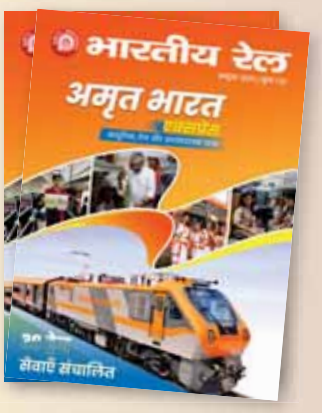
कैसे पहुँचें

- चेन्नई सबसे समीप का हवाई अड्डा है, जो सभी महानगरों और मुख्य नगरों से जुड़ा हुआ है। अगर आप विदेश से चेन्नई के लिए उड़ान भर रहे हैं, तो हाइवे पर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आता है, यह रास्ता पुढुच्चेरी की तरफ जाता है। पुढुच्चेरी चेन्नई से लगभग 170 कि.मी. दूर है। वहां से सड़क मार्ग से पुढुच्चेरी तक आने में 4 घंटे का समय लगता है। नेशनल हाइवे 45 की तुलना में पूर्व तटीय सड़क अधिक सुविधाजनक है। पुढुच्चेरी तक आने-जानेवाली रेलगाड़ियां कम हैं और बहुत धीमी गति से चलती हैं। एक अन्य विकल्प यह है कि आप बेंगलुरु से कुड्डालोर के बीच चलनेवाली ट्रेन लें और फिर सड़क मार्ग से पुढुच्चेरी तक आएं।



खरीदी के लिए क्या-क्या

- यहाँ तरह-तरह की दस्तकारी की चीजें, रेशमी हैंडबैग, लकड़ी के खिलौने और मनकों के आभूषण मिलते हैं। हाथ से बनाए गए कागज की फैक्टरी में नोट बुक, कार्ड और बुकमार्ग खरीद सकते हैं। तरह-तरह के मिट्टी के बरतन और विशिष्ट शैलीवाले चीनी बरतन खरीद सकते हैं। चमड़े के कपड़े, बेल्ट, बैग और जूते दुकानों पर मिल जाते हैं।



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

अपना ज्ञान टटोलें

1. सितंबर, 2025 तक देशभर में कितनी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' ट्रेनें संचालित हुईं?

(क) 15 (ख) 7

(ग) 20 (घ) 18

2. 'अमृत भारत ट्रेन' में अंधेरे में रास्ता दिखाने के लिए कौन-सी सुविधा दी गई है?

(क) LED टीवी स्क्रीन (ख) रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोटिंग स्ट्रिप्स

(ग) टॉर्च लाइट (घ) इमरजेंसी बल्ब

3. सितंबर 2025 तक किस राज्य से अधिकतम 'अमृत भारत एक्सप्रेस' ट्रेनें संचालित हुईं?

(क) दिल्ली (ख) उत्तर प्रदेश

(ग) पश्चिम बंगाल (घ) बिहार

4. ट्रेन संख्या 13697-98 'अमृत भारत एक्सप्रेस' किन दो शहरों के बीच चलती हैं?

(क) नागपुर-भोपाल (ख) चेन्नई-बेंगलुरु

(ग) गया-दिल्ली (घ) हैदराबाद-कोच्चि

5. इनमें से कौन-सी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' माता सीता की जन्मभूमि सीतामढ़ी को भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या से जोड़ती है?

(क) सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (ख) दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल

(ग) गया-दिल्ली (घ) चेन्नई-पटना

6. 'अमृत भारत एक्सप्रेस' के प्रत्येक ट्रेन सेट में किस प्रकार की सीटें लगाई गई हैं ?

(क) एसी स्लीपर और सीटिंग (ख) एसी स्लीपर

(ग) एसी चेयर कार (घ) नॉन एसी स्लीपर एवं सीटिंग



7. ट्रेन संख्या 22361-62 'अमृत भारत एक्सप्रेस' किन दो शहरों के बीच संचालित होती है?

(क) नागपुर-भोपाल (ख) चेन्नई-हैदराबाद

(ग) राजेन्द्र नगर-नई दिल्ली (घ) चंडीगढ़-बलिया

8. हाल ही में ब्रह्मपुर-उधना के बीच कौन-सी ट्रेन सेवा शुरू हुई है?

(क) अमृत भारत (ख) वंदे भारत

(ग) तेजस एक्सप्रेस (घ) महाराजा एक्सप्रेस

9. ट्रेन संख्या 11015-16 'अमृत भारत एक्सप्रेस' किन दो शहरों के बीच संचालित होती है?

(क) जोगबनी-ईरोड (ख) मालदा-लखनऊ

(ग) सहरसा-मुंबई (घ) दरभंगा-दिल्ली

10. 29 सितंबर, 2025 को बिहार से एक साथ कितनी नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस' ट्रेनों का शुभारंभ किया गया है?

(क) 3 (ख) 4

(ग) 2 (घ) 1

11. कौन-सी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' देश की राजधानी को प्रसिद्ध सत्याग्रह स्थल चंपारण से जोड़ती है?

(क) मालदा टाउन–गोमतीनगर

(ख) बापूधाम मोतिहारी–आनन्द विहार टर्मिनल

(ग) गया–दिल्ली

(घ) जोगबनी–ईरोड–जोगबनी

12. कौन-सी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' बिहार के महिषि गाँव स्थित श्री उग्रतारा मंदिर को पंजाब के गोल्डन टेंपल से जोड़ती है?

(क) धनबाद–चंडीगढ़

(ख) कोडरमा–जालंधर

(ग) रेवाड़ी–गुवाहाटी

(घ) सहरसा–छेहरटा (अमृतसर)

13. कौन-सी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' बिहार की राजधानी को देश की राजधानी से जोड़ती है?

(क) दिल्ली–मुंबई

(ख) दरभंगा–भोपाल

(ग) राजेन्द्रनगर टर्मिनल–नई दिल्ली

(घ) गया–दिल्ली

14. कौन-सी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' बिहारवासियों को राजस्थान के अजमेर तक सीधी रेल सेवा प्रदान करती है?

(क) दरभंगा–मदार

(ख) पटना–उदयपुर

(ग) मुजफ्फरपुर–जोधपुर

(घ) गया–अजमेर

15. वर्तमान में कुल कितनी अमृत भारत ट्रेनें बिहार को देश की राजधानी दिल्ली से जोड़ रही हैं?

(क) 5

(ख) 3

(ग) 6

(घ) 4

सही उत्तर

1 (क)	2 (ख)	3.(घ)	4 (ग)
5 (ख)	6 (घ)	7 (ग)	8 (क)
9 (ग)	10.(क)	11 (ख)	12 (घ)
13 (घ)	14 (ख)	15 (ग)	



नई वंदे भारत एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन और सहारनपुर के बीच यात्रा समय कम करेगी और आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराएगी, जिससे यात्रा आरामदायक और सुविधाजनक होगी

IRIS Certification
AAR M-1003
Daulat Ram ENGINEERING

PRIME MOVERS FOR RAIL, MINING & URBAN MOBILITY

- Traction Motors / Alternators
- Air Conditioners
- Cooling Fans / Blowers
- Dynamic Brake Resistors
- Pantographs
- E- Buses
- Auxiliary Generators



10/2, NH-12, Simrai, Post Obedullahganj, Distt. Raisen, Near Bhopal, 464993, India
+91 7480 350001 to 350030 +91 8889983336 info@daulatram.org www.daulatram.com


Confederation of Indian Industry
IREE 2025
16th International Railway Equipment Exhibition
Asia's Largest & World's Second Largest Exhibition for the Railway & Transportation Sector
15th - 17th October 2025
Bharat Mandapam, New Delhi
Global Platform for Railway Technology, Services & Urban Metro
Event Supporter
Wabtec CORPORATION
Scan to Register
Global Platform for Railway Technology, Services & Urban Metro
Spread Across 40,000 sqmts
450+ Exhibitors
20,000+ Business Visitors
Global Delegates & Rail Industry Leaders
B2B Meetings
High-speed trains
Safety and Security Enhancement
High-speed corridors for freight transportation
Technology & Training
Sustainability & Infrastructure
Loco-Hauled Passenger Coaches
Don't miss this unparalleled business & networking opportunity!
For exhibition details, kindly contact:
Rajesh Wadhwa | +91 99102 67148 | rajesh.wadhwa@cii.in
www.ireeindia.com

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

की सदस्यता
अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यू आर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ई-पत्रिका सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263	130
	दो वर्ष	460	483	230
	तीन वर्ष	675	709	340
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210	100
	दो वर्ष	370	389	190
	तीन वर्ष	540	567	270
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313	---
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625	---

(सदस्यता शुल्क में वार्षिक विशेषांक भी शामिल है।)

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

पहचान पत्र संख्या (यदि रेल कर्मचारी है तो): ..... वैधता की तारीख .....

ऑफलाइन भुगतान का माध्यम

I) एम.ओ./आई.पी.ओ/डी.डी. व्यापार प्रबंधक के पक्ष में कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001
II) नगद जमा कराने हेतू : कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com**

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
ISSN 2457-0001
दिनांक 3-4 को प्रकाशित तथा दिनांक 6-7 को प्रेषित



में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाएं

विज्ञापन दरें

विवरण	सामान्य अंक (मासिक दरें)		विशेष अंक (वार्षिक अंक)
	सामान्य दरें	अनुबंधित दरें*	
बैक कवर	₹22,000	₹20,000	₹25,000
सेकेण्ड कवर	₹19,000	₹17,000	₹22,000
थर्ड कवर	₹19,000	₹17,000	₹22,000
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	₹16,000	₹15,000	₹18,000
पूरा पृष्ठ	₹15,000	₹14,000	₹17,000
आधा पृष्ठ	₹9,000	₹8,000	₹11,000
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे)	₹28,000	₹25,000	₹32,000

* तीन महीने या इससे अधिक अवधि के लिए विज्ञापन प्रकाशित करवाने का अनुबंध करने पर लागू।
- उपरोक्त दरों के साथ 5% जीएसटी, आइजीएसटी प्राप्य होगी।

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'
के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट, चेक लिखें अथवा एनईएफटी के द्वारा

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार : 28X20.5 सेमी, छपाई क्षेत्र : 23X16.5 सेमी

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

संजीव गुप्ता, व्यापार प्रबंधक
310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन : 011- 47845378, 23382531, email : bmpr310rb@gmail.com

मुद्रक व प्रकाशक : **संजीव गुप्ता** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., सी-66/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**